घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 46- मंगलवार 16- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े डॉ.रामविलास वेदांती का निधन

अयोध्या,15 दिसम्बर 2025। राम मंदिर आंदोलन के संत और पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने मध्यप्रदेश के रीवा में दोपहर 12.20 बजे अंतिम सांस ली। वे 67 साल के थे। वेदांती की रीवा में रामकथा चल रही थी। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। दो दिन से उनका इलाज रीवा के एक हॉस्पिटल में चल रहा था। सोमवार सुबह तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें एयर लिफ्ट करके भोपाल एम्स ले जाने की तैयारी थी। एयर एम्बुलेंस पहुंच भी गई, लेकिन कोहरे की वजह से लैंड नहीं कर सकी। डॉ. रामविलास दास वेदांती के उत्तराधिकारी महंत राघवेश दास वेदांती ने बताया- महाराजजी का पार्थिव शरीर अयोध्या लाया जा रहा। महाराज जी की अंतिम यात्रा अयोध्या के हिंदू धाम से मंगलवार सुबह निकलेगी और राम मंदिर तक जाएगी। सरयू तट पर सुबह 10 बजे उन्हें जल समाधि दी जाएगी। अंतिम दर्शन के लिए देशभर से संत आएंगे। डॉ. वेदांती का जन्म रीवा के गुढ़वा गांव में 7 अक्टूबर 1958 को हुआ था। जब वे 12 साल के थे, तब अयोध्या आ गए थे। उनका पूरा जीवन यहीं पर बीता। वे यूपी के प्रतापगढ़ और जौनपुर की मछलीशहर सीट से दो बार भाजपा के सांसद भी रहे।

पीयूष गोयल तमिलनाडु और बैजयंत पांडा असम के चुनाव प्रभारी नियुक्त

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। आगामी 2026 विधानसभा चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने दो राज्यों के चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी की घोषणा की है। भाजपा ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को तमिलनाडु और बैजयंत पांडा को असम चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। तमिलनाडु में गोयल के साथ अर्जुन राम मेघवाल और मुरलीधर मोहिल को सह प्रभारी बनाया गया है। वहीं असम में सुनील शर्मा और दर्शना जारदोश सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी किए गए लेटर के मुताबिक, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल चुनाव प्रभारी बनाए गए हैं। जबकि असम विधानसभा चुनाव के लिए यह जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा को सौंपी गई है।

मेसी को जय शाह ने टी-20 वर्ल्डकप का टिकट दिया,टीम इंडिया की जर्सी और दिग्गज क्रिकेटर्स के ऑटोग्राफ वाला बैट भी गिफ्ट किया

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी को आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने टी-20 वर्ल्ड कप की इनविटेशनल टिकट दी। सोमवार को मेसी का दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सम्मान किया गया। इस मौके पर उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी भेंट की गई। साथ ही शाह ने मेसी को 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप टीम के ऑटोग्राफ वाला बैट भी गिफ्ट किया। मेसी ने सबसे पहले हाथ हिलाकर स्टेडियम में मौजूद फैंस का अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने रोड्रिगो डी पॉल और लुईस सुआरेज के साथ किक मारकर दर्शकों की ओर फुटबॉल उछाली, जिसमें से एक किक सीधे स्टेडियम के दूसरे माले तक पहुंच गई। मेसी ने बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर माहौल को और यादगार बना दिया। इससे पहले स्टेडियम के बाहर मेसी की एक झलक पाने के लिए फैंस की भारी भीड़ जुटी रही। उन्हें सुबह ही राष्ट्रीय राजधानी पहुंचना था, लेकिन दिल्ली में घने कोहरे के कारण उनकी उड़ान को रोक दिया गया,जिसके चलते मेसी को मुंबई एयरपोर्ट पर ही कुछ समय तक रुकना पड़ा। इसके बाद मेसी ने कहा- हम यहां से ढेर सारा प्यार लेकर जा रहे हैं। हम फिर से आएंगे। कोई मैच खेलने के लिए या फिर किसी अन्य मौके पर। लेकिन, हम आएंगे। इस प्यार के लिए धन्यवाद।

इंडिगो संकट : सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार याचिकाकर्ता से कहा...हाईकोर्ट जाएं,वहां शिकायत का समाधान नहीं हुआ तो यहां आपका स्वागत है...

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो की हजारों फ्लाइट कैंसिल किए जाने के मामले में दखल देने की मांग वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पमचोली की बेंच ने याचिकाकर्ता से दिल्ली हाईकोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि सभी मुद्दे दिल्ली हाईकोर्ट के सामने विचाराधीन हैं। वे भी संवैधानिक कोर्ट हैं। अगर आपकी शिकायत का वहां समाधान नहीं होता है, तो आपका यहां स्वागत है। इंडिगो के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि डीजीसीए ने फ्लाइट कैंसिल होने और यात्रियों को होने वाली समस्याओं की जांच के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई है। इस बीच इंडिगो में ऑपरेशन संबंधी गड़बड़ियों की जांच कर रही डीजीसीए की समिति ने सोमवार को एयरलाइन के गुरुग्राम स्थित मुख्यालय का दौरा किया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन की ओर से एविएशन नियमों में बदलाव चलते दिसंबर के पहले हफ्ते में इंडिगो में क्रू मेंबर्स की भारी कमी हो गई थी।

'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' नारे को लेकर संसद में हंगामा...

राहुल-सोनिया माफी मांगे : जेपी नड्डा

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। संसद के शीतकालीन सत्र के 11वां दिन, सोमवार को दोनों सदनों में भाजपा सांसदों ने कांग्रेस की रैली में पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी का मुद्दा उठाया। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा...पीएम के खिलाफ ऐसी बातें करना, उनकी मौत की कामना करना शर्मनाक है। नड्डा ने कहा- ...नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा...इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है कि 140 करोड़ भारतीयों और विश्व के सबसे प्रसिद्ध नेता को इस तरह के नारों का सामना करना पड़ रहा है। पीएम के खिलाफ नारेबाजी और माफी की मांग लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। दोनों सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई थी, लेकिन शोर-शराबे के कारण 10 मिनट भी चर्चा नहीं हो पाई और कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई।

प्रियंका बोली...हमें नहीं मालूम कि किसने नारा लगाया...

भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पलटवार किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा... हमें नहीं मालूम कि ये सब किसने कहा। रैली में स्टेज से किसी ने भी ऐसा कुछ नहीं कहा। फिर पता चला कि किसी ने इंटरव्यू में कहा है। भाजपा को खुद नहीं पता की किसने नारेबाजी की।

दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस समर्थकों ने नारे लगाए थे...

पूरा विवाद दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर रैली के वीडियो वायरल हुए, जिसमें कांग्रेस की महिला नेताओं और समर्थकों ने 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगाए थे। नारे लगाने वालों में कांग्रेस नेता मंजू लता मीणा भी शामिल थीं। वे जयपुर महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि वोट में धांधली को लेकर जनता में बहुत गुस्सा है। वे नारेबाजी के जरिए वोट चोरी को लेकर जनता के गुस्से को दिखा रही थीं।

बीमा सेक्टर में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 100% करने का बिल संसद में लाने की तैयारी...

सरकार इस सप्ताह संसद में बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (पीएम) की सीमा 74% से बढ़ाकर 100% करने से जुड़ा बिल पेश करने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य 2047 तक सभी को बीमा कवर उपलब्ध कराना है। 'सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) अधिनियम, 2025' के तहत बीमा अधिनियम 1938, भारतीय जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरणअधिनियम 1999 में संशोधन का प्रस्ताव है। यह जानकारी संसद में पेश होने से पहले सांसदों को भेजे गए बिल में दी गई है।

लोकसभा में अब एटॉमिक एनर्जी बिल पर चर्चा शुरू

सरकार ने लोकसभा में एटॉमिक एनर्जी बिल, 2025 पेश किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 दिसंबर को इस बिल को मंजूरी दी थी। इसे SHANTI (Sustainable Harnessing and Advancement of Nuclear Energy for Transforming India) नाम दिया गया है। यह बिल भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने के लिए लाया गया है। अब तक परमाणु ऊर्जा का काम केवल सरकारी कंपनियां करती थीं, लेकिन इस बिल के जरिए निजी कंपनियों को भी परमाणु ऊर्जा उत्पादन में भागीदारी की अनुमति दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य देश में स्वच्छ और भरोसेमंद बिजली उत्पादन बढ़ाना है, ताकि कोयले पर निर्भरता कम हो और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण बिल लोकसभा से पास

विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण बिल लोकसभा में पारित हो गया है। इसे पहले हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल कहा जाता था, लेकिन अब इसका नाम बदलकर विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण बिल कर दिया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नए मुख्य सूचना आयुक्त राज कुमार गोयल को दिलाई शपथ

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। देश को नया मुख्य सूचना आयुक्त मिल गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय समारोह में पूर्व आईएएस अधिकारी राज कुमार गोयल को मुख्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए विश्वास जताया कि वे सूचना के अधिकार को मजबूत करने की दिशा में ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में राज कुमार गोयल का प्रमुख दायित्व सूचना के अधिकार (आरटीआई) से जुड़े मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करना होगा। यह पद नागरिकों के सूचना के अधिकार की रक्षा करने और सरकारी कार्यप्रणाली में जवाबदेही व पारदर्शिता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

कौन हैं राज कुमार गोयल : राज कुमार गोयल के नाम की सिफारिश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय चयन समिति ने की थी। समिति में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे। चयन प्रक्रिया के दौरान राहुल गांधी ने असहमति नोट दर्ज कराया था। गोयल 1990 बैच के अरुणाचल प्रदेश गोवा मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। वे 31 अगस्त को विधि एवं न्याय मंत्रालय के अंतर्गत न्याय विभाग में सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इससे पहले उन्होंने गृह मंत्रालय में सचिव (सीमा प्रबंधन) सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं और केंद्र सरकार तथा तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य में अहम प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाई हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्य सूचना आयुक्त का पद 13 सितंबर 2025 से रिक्त था, जब पूर्व सीआईसी हीरालाल सामरिया का कार्यकाल समाप्त हुआ था। करीब तीन महीने बाद इस संवैधानिक संस्था को नया प्रमुख मिला है।

राज कुमार गोयल के साथ ही आठ नए सूचना आयुक्तों ने भी शपथ ली है, जिससे केंद्रीय सूचना आयोग लगभग नौ वर्षों के अंतराल के बाद पूरी क्षमता के साथ कार्य कर सकेगा। आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त और अधिकतम दस सूचना आयुक्तों का प्रावधान है। नए आयुक्तों की नियुक्ति से आयोग के कामकाज में तेजी आने और आरटीआई व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

शाह-नड्डा ने हाथ पकड़कर नितिन नबीन को कुर्सी पर बैठाया

बीजेपी मुख्यालय में नए कार्यकारी अध्यक्ष पर फूल बरसाए गए

पटना,15 दिसम्बर 2025। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला। गृहमंत्री अमित शाह और निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हाथ पकड़कर उन्हें कुर्सी पर बिठाया।

इससे पहले नितिन नबीन का पार्टी मुख्यालय में जोरदार स्वागत किया। उन पर फूल बरसाए गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। अमित शाह और जेपी नड्डा नितिन नबीन के स्वागत के लिए बीजेपी मुख्यालय में पहले से मौजूद थे। भाजपा नेताओं ने उन्हें बधाई दी। नितिन नबीन सोमवार सुबह इंडिगो की फ्लाइट से 8.25 बजे की फ्लाइट से दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन उनकी फ्लाइट 4 घंटे लेट हो गई है। वो दोपहर 1 बजे दिल्ली पहुंचे। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के बाद नितिन नबीन ने सोमवार को पटना के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद वो अपने पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

दिल्ली की हवा फिर जानलेवा,50मी तक नहीं दिख रहा,धुंध-कोहरे के कारण 60 फ्लाइट रद्द 250 डिले,कुछ जगह एक्यूआई 500 पार...

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर कम हुआ तो दिल्ली में हवा थम गई। इसके चलते राजधानी रविवार को ठंड,स्मॉग और प्रदूषण के ट्रिपल अटैक की चपेट में आ गई। ग्रैप-4 लागू होने के बावजूद वजीरपुर और रोहिणी इलाकों में एक्यूआई 500 के लेवल तक पहुंच गया। प्रदूषक कण वातावरण में फंसे रहे और राजधानी गैस चेंबर बन गई। रविवार को इस साल का सबसे घना कोहरा भी छाया। अक्षरधाम समेत कई इलाकों में विजिबिलिटी 50 मीटर तक सिमट गई। धुंध-कोहरे के कारण 60 फ्लाइट रद्द कर दी गई, जबकि 250 देरी से चल रही हैं। डॉक्टरों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को सावधानी बरतने कहा है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से हवा की रफ्तार बढ़ने पर मामूली राहत मिल सकती है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने वकीलों और पक्षकारों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हाइब्रिड मोड के जरिए पेश होने की सलाह दी है।

जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला से मिले पीएम मोदी हुसैनिया महल में स्वागत हुआ,7 साल बाद दौरा

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला से हुसैनिया पैलेस (महल) में मुलाकात की है। हुसैनिया पैलेस पहुंचने पर पीएम का औपचारिक स्वागत किया गया। पीएम और किंग अब्दुल्ला के बीच द्विपक्षीय बातचीत शुरू हो गई है। मोदी सोमवार को दो दिन के दौरे पर जॉर्डन पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर जॉर्डन के पीएम जाफर हसन ने उनका स्वागत किया।

मोदी का यह दौरा किंग अब्दुल्ला के निमंत्रण पर हो रहा है। होटल पहुंचने पर प्रवासी भारतीयों ने मोदी का स्वागत किया। पीएम ने भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात भी की। इस दौरान कलाकारों ने मोदी के सामने कल्चरल परफॉर्मेंस दी। यह यात्रा भारत और जॉर्डन के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने पर हो रही है। वे 7 साल बाद जॉर्डन पहुंचे हैं। इससे पहले वे 2018 में एक ट्रांजिट विजिट के दौरान जॉर्डन में रुके थे। जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला 27 फरवरी 2018 को भारत दौर पर आए थे। इस दौरान मोदी प्रोटोकॉल तोड़कर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने पहुंचे थे। दोनों नेताओं की एक महीने में यह दूसरी मुलाकात थी। मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला से हुसैनिया पैलेस (महल) में मुलाकात की है।

सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर सीएम योगी का बयान...कहा- नेहरू ने कश्मीर को बनाया विवाद,पटेल ने जोड़ा पूरा भारत

लखनऊ,15 दिसम्बर 2025। आजादी के महान नेता और भारत के लौह पुरुष 'सरदार वल्लभभाई पटेल' की पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर ष्टरूयोगी ने सरदार पटेल के योगदान और उनके दृष्टिकोण को याद करते हुए देशवासियों को उनके साहस, नीति और नेतृत्व के महत्व को समझाया। योगी ने कहा कि भारत के शिल्पी, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल ने आजादी के संघर्ष में न केवल नेतृत्व किया, बल्कि कई बार जेल की यातनाओं को सहकर भी अपने आदर्शों से कभी विचलित नहीं हुए। उन्होंने भारत के विभाजन का दृढ़ता से विरोध किया और जूनागढ़ व हैदराबाद जैसी रियासतों को बिना रक्तपात के भारत में विलय कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से ही देश की अखंडता और एकता मजबूत हुई। योगी ने कश्मीर मुद्दे पर भी चर्चा करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर रियासत के संदर्भ में स्थिति जटिल थी, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पहल करते समय ऐसा निर्णय लिया कि क्षेत्र विवादित बन गया। उन्होंने कहा, 'उनके हाथों में सब कुछ था, लेकिन उन्होंने जम्मू-कश्मीर को इतना विवादित करने का कार्य किया कि आजादी के बाद से यह भारत के लिए लगातार चुनौतियों का स्रोत बना। उनके कारण ही कश्मीर से देश को उग्रवाद और अलगाववाद का सामना करना पड़ा।' इसके अलावा, सीएम योगी ने सरदार पटेल के प्रशासनिक योगदान, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण और विवादों के समाधान के लिए बनाए गए तंत्र की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्तमान स्वरूप के निर्माण में भी लौहपुरुष की दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व का बड़ा योगदान रहा। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि सरदार पटेल का जीवन राष्ट्रभक्ति, साहस और प्रशासनिक दक्षता का अद्वितीय उदाहरण है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना न केवल सम्मान का विषय है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

संजय सरावगी बने बिहार भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष

पटना,15 दिसम्बर 2025। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में संगठनात्मक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए दरभंगा शहरी क्षेत्र से छह बार के विधायक एवं पूर्व राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी को बिहार प्रदेश का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह दरभंगा सदर विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक हैं। संजय सरावगी अब निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल का स्थान लेंगे। उनके प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की औपचारिक घोषणा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के हस्ताक्षर से जारी पत्र के माध्यम से की गई है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। संजय सरावगी ने वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के उम्मीदवार उमेश साहनी को 24,593 मतों से पराजित किया था।

संपादकीय

उद्योगपतियों के प्रति रवैया बदले विपक्ष

ट्रंप टैरिफ वॉर को कर दिया था नाकाम

जिस दौर में अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी मोटर साइकिल कंपनी के हित को अपने देश का हित बता रहे हों,उस दौर में भारत के व्यवसायियों के वाजिब हितों के लिए कौन लड़ेगा? समाज और राजनीति,दोनों को व्यापार जगत के अपने योद्धाओं यानी उद्योगपतियों के प्रति रवैया बदलना होगा। ध्यान यह भी रहे व्यवसायियों को भी समाज के प्रति अपने दायित्व का पालन करना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय धान पर टैरिफ लगाने की परोक्ष धमकी देकर भारत को डराने की फिर कोशिश की है,पर तथ्य इस बात के गवाह हैं कि ट्रंप प्रशासन स्वयं डरा हुआ है। पचास प्रतिशत टैरिफ का ट्रंप कार्ड 'जोकर' साबित हो चुका है। इसका क्रेडिट काफी हद तक भारतीय उद्योगपतियों को जाता है,जो दुर्भाग्य से अपने ही देश में विपक्ष के हमलों का शिकार हो रहे हैं। मौजूदा विश्व अर्थव्यवस्था में हर देश अपने उद्योगपतियों को मूल्यवान समझता है।

याद कीजिए लगभग तीन दशक पहले गेट यानी जनरल एग्रीमेंट आन टैरिफ एंड ट्रेड के जरिए भारत समेत विकासशील देशों पर दुनिया भर में टैरिफ कम करने का दबाव डाला गया था। आज अमेरिका खुद उसी टैरिफ की आड़ ले रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून का उल्लंघन हो रहा है। घरेलू मोर्चे पर एलन मस्क जैसे बड़े उद्योगपति ट्रंप से मुंह मोड़ चुके हैं। ट्रंप के दबाव के बावजूद हाल में माइक्रोसाफ्ट और गूगल ने भारत में बड़े निवेश की घोषणा की है,पर लाख टके की बात यह है जब तक हम अपने उद्योगपतियों को ताकत नहीं देते, विकसित देशों के उद्योगपतियों से मुकाबला कठिन है।

हाल में रूसी प्रतिनिधिमंडल में तेल और ऊर्जा क्षेत्र के रोसनेफ्ट, स्बेयर बैंक, यूरिया उत्पादन से जुड़ी यूराल नेट,हथियार उत्पादन के लिए मशहूर रोजोबारोनेक्सपोर्ट जैसी कंपनियों के आला अधिकारी आए थे। वहीं भारत की ओर से टाटा,अंबानी,अदाणी किसी की भी रूसी प्रतिनिधिमंडल से सीधी बात नहीं हुई। ऐसा नहीं कि सीधी बात न होने से भविष्य में व्यापार की सारी संभावनाएं ही समाप्त हो गई हों, पर यह भी साफ है कि रूसी राष्ट्रपति की मौजूदगी में भारत की प्रमुख कंपनियों की उपस्थिति एक सकारात्मक असर डालती। यह अवसर हम चूक गए। शायद नीति निर्धारकों का सोच यह रहा हो कि कुछ अहम समूहों की उपस्थिति सियासी विवाद को जन्म देती और संसद सत्र के दौरान सरकार कोई मुद्दा विपक्ष को देने को तैयार नहीं थी।

जरा सोचिए कि अफगानिस्तान में आतंक के दौरान भारतीय कंपनियों ने किन परिस्थिति में कार्य किया होगा और भारत सरकार ने तब उन्हें संरक्षण देकर सही किया या गलत? और आज फार्मा से लेकर शिक्षा के क्षेत्र में निजी कंपनियों को अफगानिस्तान में भेजा जाना क्या जरूरी नहीं है? अफगानिस्तान ही नहीं, नेपाल,श्रीलंका,ईरान,अफ्रीका आदि देशों में अपने हितों की पूर्ति के लिए सरकार ने भारतीय उद्योगपतियों से सहयोग लिया और आवश्यक संरक्षण प्रदान किया। घरेलू मोर्चे पर भी संकट के समय वैक्सीन का अतिरिक्त उत्पादन हो या ऊर्जा संकट के दौर में वैकल्पिक ऊर्जा पर जोर, सभी कुछ निजी कंपनियों के जरिए हासिल किया गया,पर कभी तीन सौ तो कभी तीन व्यावसायिक समूहों के नाम पर विपक्ष सरकार को घेरता रहा है।

भले स्वशासित राज्यों में उद्योगपतियों को महत्व देने के लिए खुलेआम भ्रष्टाचार तक का सहारा लिया गया हो। विपक्ष के नेता को वैचारिक खाद-पानी दे रहे एक वामपंथी नेता के पुत्र रियल स्टेट और बिस्किट फैक्ट्री के क्षेत्र में बंगाल के बड़े उद्योगपति बने। उनके उत्थान का काल सबसे लंबे दौर तक बंगाल में चला पिता जी का कार्यकाल ही रहा। उनकी ईस्टर्न बिस्किट कंपनी पर भी 37.68 लाख रुपये बकाये का केस बना। अदालत ने अन्य अपेक्षाओं के साथ पंद्रह लाख रुपये की बैंक गारंटी का आदेश दिया, जो नहीं भरी गई। बाद में अंतरिम आदेश रद हो गया। फाइल वर्षों बाद 2005 में मिली।

आज वामपंथ के असर से मुक्ति पाकर बड़ी मुश्किल से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भारत ने तमाम कामयाबी हासिल की है। जापान पिछड़ चुका है और अब जर्मनी की बारी है,लेकिन सच यह भी है भारत की अर्थव्यवस्था जहां अब तक पांच ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर का आंकड़ा नहीं छू पाई है वहीं अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्थाएं तीस और बीस ट्रिलियन डालर से ऊपर की हो चुकी हैं। यानी अभी काफी कुछ किया जाना है,क्योंकि दुनिया आकाश से आई आवाज ही सुनती है। ताकतवर प्रतिद्वंद्वियों के साथ क्या करते हैं यह पहले चीन और फिर ट्रंप के बर्ताव से साफ है। दुनिया में आवाज शिखर की सुनी जाती है। बाकी आवाज या तो दब जाती है या उन आवाजों का दम घोंटने की कोशिश की जाती है।

ट्रंप का मौजूदा रूप आपको यकीनन अजीब लग रहा होगा, लेकिन सच यह भी है कि ट्रंप से पहले भी समय-समय पर अमेरिका ने इसी तरह से भारतीय हितों में बाधा डालने का प्रयास किया था। यह बात अलग है कि डरावने नाखूनों वाले शरीर पर तब नफासत की नकाब लगी थी। याद कीजिए वह दौर जब भारतीय कपड़ों की खेप को यह कह कर लौटाया गया था कि इसमें आग लग जाती है। फलों की खेप कीटनाशक का ज्यादा प्रयोग कह कर लौटा दी जाती थी,पर जब अमेरिकी पेय पदार्थों में कीटनाशकों का मामला आया तो पूरा अमेरिका प्रशासन मोर्चा संभालने लगा।

जिस दौर में अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी मोटर साइकिल कंपनी के हित को अपने देश का हित बता रहे हों,उस दौर में भारत के व्यवसायियों के वाजिब हितों के लिए कौन लड़ेगा? समाज और राजनीति, दोनों को व्यापार जगत के अपने योद्धाओं यानी उद्योगपतियों के प्रति रवैया बदलना होगा। ध्यान यह भी रहे व्यवसायियों को भी समाज के प्रति अपने दायित्व का पालन करना होगा।

राजनीति में व्यक्तिगत आरोपों से बचें...

संजय गोस्वामी,मुंबई,महाराष्ट्र

आज सत्ता पक्ष और विपक्षी नेता के बीच गजब का न्यूज चल रहा था। किसी के ऊपर व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाना चाहिए। राम लीला मैदान में जो घटना क्रम हुआ उससे विदेशों में भारत की छवि खराब हो रही है। एक दूसरे पर वीडियो वाइरल होना ठीक नहीं है । आप सभी संयम से काम ले और भगवान राम पर विश्वास रखें हमें लगता है कि इसमें अब कुछ उद्योग पति भी मिल गए है क्योंकि इतना बड़ा आयोजन हेतु फंड कौन कर रहा है । प्रधानमंत्री पर निजी टिपण्णी करना लोकतंत्र के खिलाफ है। जब चुनाव होगा तो काम के दम पर ही जीत मिलेगी। इसलिए मेहनत स्टेज पर और भाषण से नहीं यदि विपक्ष में हैं तो जनता और देश के सम्मान में काम करना होगा। जब स्व अटलजी जैसे मेहनत कर देश का नाम ऊँचा करने वाले पर भी उनके व्यक्तिगत आरोप उनके निधन पर देखता हूँ तो कहाँ-कहाँ से घटिया न्यूज बनाते है समझ में नहीं आता। जिसने 1998 में देश में पोखरण परमाणु परीक्षण और 1999 में कारगिल युद्ध में देश का मस्तिष्क ऊँचा किया था आज हमें देश के विकास के लिए वैज्ञानिकों पर भरोसा करना होगा जो आज बड़ी तेजी से पलायन कर रहे हैं। वैज्ञानिक संसाधनों का विकास ही देश कों टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आगे ले जा सकता है चाहे अंतरिक्ष के क्षेत्र में हो या कृषि या रक्षा के क्षेत्र में या परमाणु के क्षेत्र में सभी में वैज्ञानिकों पर विश्वास करना आवश्यक है। हो सकता है तुरंत परिणाम ना निकलें क्योंकि शोध में कई साल लगते हैं और इसलिए संयम और शांति की आवश्यकता है सत्ता आती है जाती है लेकिन देश में वैज्ञानिक कार्यों में विकास की आवश्यकता है जिससे देश में अपना सामान खुद बना सकते हैं और युवाओ के लिए एक अच्छा प्लेटफार्म होगा। टेक्नोलॉजी के मामलों में टैलेंटेड होने के बाद भी उसका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है जिसमे सभी पार्टियों कों साथ में मिलकर काम करना चाहिए। अगर टेक्नोलॉजी होगी तभी देश आत्मनिर्भर होगा और भारत में संसाधनों की कमी नहीं है और जनसंख्या के हिसाब से देश चीन के बाद ऐशिया में दूसरे नम्बर पर है । आखिर चीन से हमें क्यों आयात करना होता है जब हम खुद ही उसे बनाने में सक्षम है। नई सरकार जब 2014 में

बीजेपी की आई तो उस समय सरकारी तंत्र तो विपक्षी दल के पास ही था आखिर क्या कारण था कि देश में जनाधार नहीं मिला और अब तक सत्ता में नहीं आ रहे हैं काम पर फोकस ज्यादा जरुरी है। 2014 में जब नई सरकार आई तो विश्व योग दिवस चालू हुआ लेकिन योग का सही अर्थ समझना जरुरी है जिसके लिए भगवान राम के बारे में ध्यान करना जरुरी है जो किसी धर्म और जाति से नहीं जुड़े हैं बल्कि मानवता की रक्षा के लिए मर्यादा का पालन करना सिखाते हैं। अतः आज सभी मर्यादा की सारी सीमा लांघ गए है जो देशहित में नहीं है इसपर शांति से काम लेना होगा। भगवान राम ने ना तो रावण के व्यक्तिगत जीवन पर कोई टिपण्णी की और ना ही उनके सबसे बड़े वैज्ञानिक हनुमान के विश्वास कों तोड़ा और यही उनके जीत की सबसे बड़ा कारण थी। रावण प्राकृतिक के नियम कों नहीं मानता था और मनुष्य को मनुष्य ना समझ कर जानवर समझता था इसलिए मनुष्य के रुप में भगवान राम और बानर सेना जो जानवर की श्रेणी में आते हैं ने एक जुट होकर रावण कों हराया और उसका घमंड चूर किया जबकी रावण मनुष्य से अलग शंकर भगवान की कृपा से मायाबी शक्ति हासिल किया फिर भी भगवान राम ने साधारण मनुष्य के रूप में वध कर ही दिया। कौन क्या किया और क्या कर रहा है उसकी नजरें सब पर टिकी है और अन्त समय कहाँ बचने वाले हैं अतः शांति से काम लें। धरना प्रदर्शन से देश का माहौल खराब होता है। सत्ता आती है जो जाएगी भी लेकिन आपका व्यक्तिगत सम्बन्ध ही काम आएगा। अतः शांति से काम लेने की जरुरत है। समय के साथ कर्म करते चले। वोट चोरी कैसे हुई इस पर न्यायालय है वहाँ ही न्याय मिल सकता है । देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है। हंगामा कहीं से भी हो उसका नुकसान ही होगा। अतः शांति से काम लें धैर्य रखें जनता पर विश्वास कर उनके कार्य कों करेंगे तो जनाधार मिलेगा। वोट चोरी होती तो बीजेपी पश्चिम बंगाल और साउथ में भी जीतती लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नमस्कार,मेरे रोम-रोम में बसने वाले राम का गाना सुना भगवान राम पर एक गाना हो जो सबको सही संदेश दे। उस वक्त मनोज कुमार ने नीलकमल फि ल्म में गाना अपनी पसंद का लिखाया था गाना के गीतकार साहिर लुधियानवी ने लिखा आशा भोसले ने गया लता जी संप्रदायक के कारण नहीं गई और वाहिदा रहमान को इसी गाने फिल्म नीलकमल में बेस्ट एक्टिव का खिताब भी मिला। अब यहाँ धर्म कहाँ आ रहा है। धर्म में नफरत राजनीति पक्ष ने ही पैदा की है जिसे मिटाने की आवश्यकता है। योग से ध्यान का मतलब होता है जो आत्मा को परमात्मा से मिलने को होता है जो ध्यान से होता है और ध्यान के लिए अपने को भगवान श्री राम ही सत्य है वो योग रामदेव बाबा वाला एक भ्रमजाल है क्योंकि शरीर को ध्यान से ठीक करें हर दिन भगवान राम का ध्यान करते रहें और बार बार करने से ध्यान में जो हमारे विकास हैं वो दूर होते हैं। ये बात सत्य है कि आपका अपना कोई इस संसार में नहीं है सभी ध्यान भटकाने के लिए हैं कुछ साल बाद भगवान श्री राम की ताकत का अहसास होगा और चन्दन की खुश्बू मिलेगी जो हमेशा आपके रक्षा के लिए खड़ा होगा डर खत्म कर देगा या तो इस स्थूल शरीर के लिए या सूक्ष्म शरीर के लिए इसलिए जन्मजन्मातर तक हमेशा प्रकाशित करेगा यही प्रभु राम की ताकत है भगवान राम किसी धर्म से जो कर आपस में वैर करना ठीक नहीं है राम के गुणों को लीडरशिप, साइकोलॉजी और नैतिक विकास में उनके कार्य के अनुसार जो आज की चुनौतियों है उससे शांति से निपटने के लिए भगवान राम गुणों की हमेशा याद करने की जरूरत है। जैसा कि ओलिवेल (2017) ने रिलिजन इन द रामायणः कॉन्टेक्स्चुअल एप्लीकेशंस एंड सिग्निफिकेंस फॉर टुडे में लिखा है, राम का किरदार सिर्फ़ एक ऐतिहासिक या पौराणिक किरदार नहीं है, बल्कि इंटीग्रेटेड एक्सीलेंस का एक बड़ा उदाहरण है जो इंसानी क्षमता और सोशल इंटरेक्शन को जानकारी देता रहता है। राम के गुणों को समझने के मुख्य सोर्स में वाल्मीकि रामायण, अध्यात्म रामायण,तुलसीदास की रामचरितमानस और कई पौराणिक रेफरेंस शामिल हैं। इनमें से हर किताब राम को अलग-अलग नज़रिए से दिखाती है:-ऐतिहासिक, फिलॉसॉफिकल,भक्ति और आध्यात्मिक, जिससे एक अलग-अलग तरह की तस्वीर बनती है जिसे ध्यान से जोड़ना चाहिए। जैसा कि डॉ. रॉबर्ट गोल्डमैन द रामायण ऑफ़ वाल्मीकिःएन एपिक ट्रांसलेशन (1984) में बताते हैं, रामायण के अलग-अलग वर्शन के बीच दिखने वाली कमियां तब गायब हो जाती हैं जब हम उन्हें एक ही बुनियादी सच पर विरोधाभासी नज़रिए के बजाय एक-दूसरे को पूरा करने वाले नज़रिए के तौर पर समझते हैं। पोलक (2021) की हालिया छात्रवृत्ति, वाल्मीकि की रामायणः प्राचीन भारत का एक महाकाव्य,पाठ के ऐतिहासिक संदर्भ को समझने के महत्व पर जोर देती है:- रामायण एक ऐतिहासिक कथा (इहसास),एक नैतिक मार्गदर्शिका (धर्मशास्त्र),और एक आध्यात्मिक पाठ (मोक्षशास्त्र) के रूप में एक साथ कार्य करती है, जिसके लिए बहुआयामी व्याख्या दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। विश्लेषणात्मक समझ पर कई दृष्टिकोण राम के गुणों का गहन विश्लेषण करने के लिए, हम कई सैद्धांतिक ढांचे का उपयोग करते हैं:-**1. हेर्मेनेयुटिक विश्लेषणः** आवश्यक गुणों की पहचान करने के लिए प्राथमिक ग्रंथों में राम के गुणों की की बारीकी से व्याख्या करना **2. तुलनात्मक विश्लेषणः**- राम के गुणों की वर्तमान सैद्धांतिक रूपरेखाओं से व्यवस्थित रूप से तुलना करना **3. क्रॉस-सांस्कृतिक विश्लेषणः**- अन्य ज्ञान परंपराओं में समानताओं की जांच करना 4 यह तरीका ब्रायमन (2018) के कहे थ्योरेटिकल ट्रायंगुलेशन से मेल खाता है। एक ही चीज़ को कई थ्योरेटिकल नज़रिए से देखना ताकि उसे पूरी तरह समझा जा सके। **1. पर्सनल सचः** राम के विचारों, शब्दों और कामों में एक जैसापन **2. सोशल सचः**- सभी रिश्तों और लेन-देन में ईमानदारी **3. कॉस्मिक सचः** -धार्मिक सिद्धांतों और यूनिवर्सल ऑर्डर के साथ तालमेल **4. ट्रांसेंडेंट सचः**- परम सत्य (ब्रह्म) से जुड़ाव डॉ. एस. राधाकृष्णन ने इंडियन फिलॉसफी वॉल्यूम(1923) में कहा थाः-राम का सच बोलना (सत्य व्रत) सिर्फ़ झूठ से दूर रहना नहीं है, बल्कि सच को उसके पूरे मतलब में अपनाना है–जो अस्तित्व के सभी लेवल पर सच से मेल खाता है। कॉग्निटिव कंसिस्टेंसी की साइकोलॉजिकल थ्योरी (फेस्टिंगर, 1957) राम के किरदार में पूरी तरह से दिखाई देती है,जहाँ विश्वास,भावना और काम के बीच कोई तालमेल नहीं है। सियालडिनी (2016) का प्री-सुएशन पर हालिया काम बताता है कि यह कंसिस्टेंसी एक ट्रस्टवर्दीनेस फील्ड बनाती है जो असल में बदल देती है कि दूसरे लोग कम्युनिकेशन कैसे लेते हैं और उस पर कैसे रिस्पॉन्ड करते हैं। फ्रैंकफर्ट (2018) ने कंटेम्पररी ट्रुथ स्टडीज़ में, ऑन ट्रूथ,लाइज़,एंड बुलशिट, असली सच और एक्चुअल सच के बीच फर्क किया है,यह फर्क राम की मल्टीडाइमेंशनल सच्चाई में पूरी तरह से साफ दिखता है। फ्रैंकफर्ट कहते हैं:-एक सच्चे सच बोलने वाले को सिर्फ सटीकता से नहीं, बल्कि असलियत की ओर एक बुनियादी झुकाव से अलग किया जाता है, एक ऐसी क्वालिटी जो राम के सभी इंटरैक्शन की खासियत है। धर्मः- नेकी का डायनामिक प्रिंसिपल राम के धर्म से रिश्ते को समझने के लिए, हमें सिर्फ नियम मानने से आगे बढ़कर धर्म को एक जीते-जागते,सांस लेने वाले प्रिंसिपल के तौर पर समझना होगा जो अपने ज़रूरी नेचर को बनाए रखते हुए कॉन्टेक्स्ट के हिसाब से ढल जाता है। धर्म को एक नदी की तरह सोचें जो अलग-अलग इलाकों से बहते हुए भी अपना असली रूप बनाए रखती है। राम दिखाते हैं कि मॉडर्न एथिक्स जीसे सिचुएशनल विज़डम कहते हैं यह खास सिचुएशन में यूनिवर्सल प्रिंसिपल्स को अप्लाई कर उनके काबिलियत पर जानने की जरुरत है । भगवान राम ने जब अलग-अलग काम राजधर्म बनाम पुत्रधर्म सामने आते हैं, तो राम का पक्का इरादा दिखाता है यानी मर्यादा का पालन करना जिसे बाद में फिलॉसफर जॉन रॉल्स ने ÷रिफ्लेक्टिव इक्विलिब्रियम कहा। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने राज योग (1896) में कहा था:- राम हमें दिखाते हैं कि धर्म नियमों का सख्ती से पालन करना नहीं है, बल्कि इंसानी कामों के तालमेल का जीता-जागता उदाहरण है इसलिए भगवान पर भरोसा रखें वाद विवाद से बचें व्यक्तिगत आरोपों से बचना चाहिए. मर्यादा में रह कर ही देश की गरिमा बचेगी और आप कों कौन क्या कहता है इसपर ध्यान देने की जरुरत नहीं है आरोप को ख्वाब काम से दें ईश्वर हमेशा सही वक्त पर सही न्याय देता है बस सब्र बनाये रखें विश्वास रखें और जब मन शांत होगा तभी अच्छा विचार आएगा।

भारतीय विदेश नीति का एक दशक

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

राजनीतिक,सामरिक और वैचारिक परिपक्वता की मजबूत पृष्ठभूमि

पिछले एक दशक में भारतीय विदेश नीति ने जिस प्रकार वैश्विक संतुलन में अपनी सशक्त, सक्रिय और विश्वसनीय उपस्थिति दर्ज कराई है,वह वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल,रूस यूक्रेन युद्ध,अमेरिका चीन रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, पश्चिम एशिया में अस्थिरता तथा पाकिस्तान की आंतरिक बाह्य राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है,क्योंकि इन सभी संदर्भों में भारत ने भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय विवेकपूर्ण, हित-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित विदेश नीति का परिचय दिया है।

अमेरिका के साथ भारत के संबंध बीते वर्षों में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक विकसित हुए हैं, जहाँ रक्षा सहयोग, इंडो-पैसिफिक रणनीति,क्वाड मंच, सेमीकंडक्टर,उच्च प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग ने दोनों देशों को निकट लाया है, किंतु इसके साथ ही भारत ने यह स्पष्ट रखा है कि वह किसी भी सैन्य गुट का औपचारिक हिस्सा बने बिना अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। रूस के साथ भारत के संबंध वर्तमान वैश्विक संदर्भ में भारतीय विदेश नीति की संतुलनकारी क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण हैं,क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अलग-थलग करने का प्रयास किया, तब भारत ने संवाद और व्यावहारिक सहयोग का मार्ग चुना,ऊर्जा सुरक्षा के लिए रियायती दरों पर तेल आयात, रक्षा आपूर्ति की निरंतरता और बहुपक्षीय मंचों पर संतुलित रुख अपनाकर भारत ने यह सिद्ध किया कि उसकी नीति किसी दबाव में नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित और वैश्विक स्थिरता के विचार से संचालित होती है।

अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद दोनों के साथ भारत के मजबूत संबंध यह दर्शाते हैं कि भारत अब केवल संतुलन साधने वाला नहीं बल्कि संतुलन बनाने वाला देश बन चुका है। चीन के संदर्भ में भारत की विदेश नीति और भी अधिक निर्णायक दिखाई देती है, क्योंकि सीमा विवाद,सैन्य गतिरोध और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारत ने आर्थिक निर्भरता को नियंत्रित करने,घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की नीति अपनाई है,जिससे चीन को यह स्पष्ट संदेश गया है कि भारत शक्ति संतुलन के किसी भी प्रयास में अपने हितों की अनदेखी नहीं करेगा। पाकिस्तान के साथ संबंधों में भारत ने बीते एक दशक में निर्णायक परिवर्तन किया है,जहाँ संवाद को आतंकवाद से जोड़ते हुए यह स्पष्ट कर दिया गया है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद जारी रहेगा तब तक सामान्य संबंध संभव नहीं हैं, वर्तमान समय में पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली,राजनीतिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घटती विश्वसनीयता के बीच भारत ने न तो आक्रामक बयानबाजी की है और न ही अनावश्यक हस्तक्षेप, बल्कि क्षेत्रीय शांति और विकास के अपने दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी है,जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की परिपक्व छवि और सुदृढ़ हुई है। व्यापारिक और आर्थिक मोर्चे पर भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ निवेश,तकनीक और बाजार तक पहुँच को बढ़ाया है,रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग को बनाए रखा है और एशिया,अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में विकास साझेदारी के माध्यम से अपनी आर्थिक कूटनीति का विस्तार किया है, जिससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरा है।

सांस्कृतिक और मानवीय स्तर पर योग,आयुर्वेद,भारतीय सिनेमा, शिक्षा और प्रवासी भारतीय समुदाय ने भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत किया है,वहीं संकट के समय मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों में भारत की सक्रियता ने उसे एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। बहुपक्षीय मंचों पर भारत ने रूस-पश्चिम तनाव,अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा और विकासशील देशों की चुनौतियों के बीच सेतु की भूमिका निभाने का प्रयास किया है,जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल साउथ की चिंताओं को वैश्विक एजेंडे में स्थान देकर भारत ने यह दिखाया कि उसकी विदेश नीति केवल राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक नैतिक जिम्मेदारी का भी वहन करती है। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, निर्यात और समुद्री सुरक्षा में भारत की भूमिका ने उसे इंडो-पैसिफिक से हिंद महासागर क्षेत्र तक एक स्थिरता प्रदाता के रूप में प्रस्तुत किया है। इस प्रकार वर्तमान वैश्विक संदर्भ में रूस, अमेरिका,चीन और पाकिस्तान जैसे जटिल कारकों के बीच भारतीय विदेश नीति की आशातीत सफलता इस तथ्य में निहित है कि भारत ने न तो किसी का विरोध अपनी पहचान बनाया और न ही किसी का अंधानुकरण,बल्कि संतुलन,संवाद और दृढ़ता के साथ एक ऐसी स्वतंत्र राह चुनी है जो आने वाले समय में भारत को वैश्विक शक्ति संतुलन का अनिवार्य स्तंभ बनाने की क्षमता रखती है।

स्थापित करने होंगे जवाबदेही के मानदंड

इंडिगो प्रकरण से लाखों हवाई यात्रियों को पीड़ा पहुंची
विवेक काटजू

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइंस का परिचालन इस महीने की शुरुआत में ऐसा लड़खड़ाया कि अभी तक कुछ समस्याएं कायम हैं। विमानन बाजार में करीब 65 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली कंपनी की उड़ानों में देरी और उनके रद होने से यात्रियों की परेशानियां बढ़ना स्वाभाविक था। हालांकि अब कुछ स्थिति सुधरी है,लेकिन पूर्ण राहत अभी दूर है। सेवाओं में इस गतिरोध से न केवल लाखों हवाई यात्रियों को पीड़ा पहुंची,बल्कि इससे भारत की छवि पर भी आघात हुआ।

सरकार ने हस्तक्षेप करते हुए इंडिगो पर कार्रवाई भी की है। यह तो जांच में ही सामने आएगा कि इस अराजकता के क्या कारण रहे,किंतु प्रथम दृष्ट्या पायलटों के लिए अधिक विश्राम संबंधी नियमों की पूर्ति के लिए अपेक्षित प्रयास न करने को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। कंपनी के पास पायलटों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्याप्त समय था,पर वह हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। इंडिगो प्रकरण में एक प्रश्न यह भी उभरा है कि कंपनियों के मामले में सरकार को आखिर कब हस्तक्षेप करना चाहिए? समस्याओं के पहले या उनके उत्पन्न होने के बाद? विशेषकर तब जब उनकी लापरवाही से जनता और देश को नुकसान पहुंचने की आशंका हो। यह प्रश्न राजनीतिक जवाबदेही की ओर भी ले जाता है। यह मुद्दा किसी विशेष सरकार या पार्टी से संबंधित नहीं है,बल्कि पूरे राजनीतिक वर्ग और भारत की राजनीतिक संस्कृति से संबंधित है। हमें सार्वजनिक क्षेत्र यानी पीएसयू और निजी कंपनियों की प्रकृति एवं स्वरूप में अंतर को भी समझना होगा।

पीएसयू सरकारी स्वामित्व में होती है। उनकी जिम्मेदारी संबंधित मंत्रालयों और विभागों की होती है। संबंधित मंत्री के माध्यम से सरकार इन सार्वजनिक कंपनियों को लेकर संसद के प्रति उत्तरदायी होती है। निजीकरण से पहले विमानन में सरकारी कंपनी को ही अनुमति थी। तब एयरलाइंस ने अपने परिचालन को लेकर ऐसी लापरवाही दिखाई होती तो नागरिक उड्डयन मंत्री को संसद में प्रश्नों का उत्तर देना पड़ता। यह सच है कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का वास्तविक संचालन-प्रबंधन भी खांटी पेशेवरों द्वारा किया जाता है और संबंधित मंत्रियों से अपेक्षा नहीं की जाती कि वे रोजमर्रा के कामकाज में हस्तक्षेप करें। हालांकि, यह सुनिश्चित करना उनका राजनीतिक कर्तव्य है कि वे इसके लिए उचित व्यवस्था बनाएं। इस क्रम में वे वरिष्ठ लोकसेवकों को दायित्व सौंपते हैं। संबंधित लोक सेवकों को इन कंपनियों की स्थिति के बारे में सूचित रखना होता है। उनकी ओर से किसी भी उभरती समस्या के बारे में चेतावनी दी जाए। ऐसी संभावित समस्या जिससे लोगों के हित प्रभावित हो सकते हों।

कविता

प्रिया देवांगन
प्रियू
राजिम,गरियाबंद
छत्तीसगढ़

अनैतिकता

चावल जो मुफ्त मिले,जनता का दिल खिले,
बेच देते राशन को,कैसा व्याभिचार है।
चीनी है नमक साथ,राशन धरे हैं हाथ,
भरी बोरी आँगन में,रखी भरमार है।।

हालत करें खराब,रोज पी के वे शराब,
गाँव में नशेड़ियों के,लगे दरबार हैं।
मजदूरी काम छोड़े,आलस से प्रीत जोड़े,
भटकते गली-गली,खाते ताना मार हैं।।

नई-नई योजनाएं,गरीबों को खूब भाए,
मध्यम वर्गीय फँसे,हो जाते लाचार हैं।
बढ़े रोज महंगाई,कौन करे भरपाई,
जनता को लूट नेता,दिखाते वे प्यार हैं।।

ऐसे कैसे हो विकास,देश का है ये विनाश,
पढ़े-लिखे युवा दुःखी,बिना रोजगार हैं।
नफा है या नुकसान,जनता भी परेशान,
घोषणाओं के भरोसे,टिकी सरकार है।।

एक और आतंकी हमला,यहूदी समुदाय के लोगों को बनाया निशाना

नरेंद्र सावरिया

आस्ट्रेलियाई शहर सिडनी के समुद्र तट पर आतंकियों ने जिस तरह यहूदी समुदाय के लोगों को निशाना बनाया और दस से अधिक लोगों की जान ले ली, उसने जिहादी आतंक के खतरे को खौफनाक रूप में फिर से सामने खड़ा कर दिया। चूंकि हमलावरों की पहचान हो गई है,इसलिए न तो इसमें संदेह रह जाता है कि वे कट्टरपंथी इस्लामिक विचारधारा से ग्रस्त थे और न ही इसमें कि उनका मकसद यहूदियों को ही निशाना बनाना था,क्योंकि उन पर तब हमला किया गया जब वे हनुक्का पर्व मनाने के लिए बड़ी संख्या में समुद्र तट पर एकत्रित हुए थे। आस्ट्रेलिया सरकार ने इस दिल दहलाने वाले हमले को आतंकी कृत्य तो करार दिया, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उस पर यह आरोप लग रहा है कि उसने उन चरमपंथी इस्लामिक समूहों की गतिविधियों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया,जो यहूदियों को धमकाने में लगे हुए थे। इस आतंकी घटना को गाजा में हमास और इजरायल के बीच चली लंबी लड़ाई के

परिणाम के रूप में देखा जा रहा है।

इस लंबे संघर्ष ने दुनिया भर में यहूदियों के खिलाफ एक माहौल बनाया। यह माहौल चरमपंथी इस्लामिक समूहों की ओर से ही बनाया गया और इसके चलते अमेरिका में भी यहूदियों पर हमले हुए। इसके अतिरिक्त,पश्चिम के अन्य देशों में भी यहूदियों को निशाना बनाने की छिटपुट घटनाएं हुईं, लेकिन यह कहना समस्या का सरलीकरण करना होगा कि गाजा में इजरायल और हमास के बीच के संघर्ष ने ही कट्टरपंथी इस्लामिक समूहों को उग्र होने का अवसर दिया है। यह ध्यान रहे कि पश्चिम के साथ-साथ विश्व के अन्य अनेक देशों में एक लंबे समय से अतिवादी इस्लामिक विचारधारा वाले समूह आतंकी हमले करते रहे हैं। उनमें बड़ी संख्या में लोग मारे भी गए हैं। यह स्वाभाविक है कि आस्ट्रेलिया में हुए आतंकी हमले की वैश्विक स्तर पर निंदा होगी और शोक-संवेदनाएं व्यक्त की जाएंगी, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है। दुनिया भर में जिहादी आतंक का खतरा जिस तरह उभर रहा है, उसे देखते हुए विश्व समुदाय को इस खतरे का मिलकर सामना करने की आवश्यकता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

सूरजपुर के घुई वन परिक्षेत्र में बाघ की संदिग्ध मौत...वन्यजीव संरक्षण पर गंभीर सवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के घुई वन परिक्षेत्र अंतर्गत भैंसामुंडा सर्किल के रेवटी क्षेत्र से एक बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां जंगल के भीतर एक बाघ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया है। शव पर गहरी चोटों के निशान मिले हैं और एक नाखून गायब बताया जा रहा है। घटनास्थल से लोहे का एक हथियार भी मिला है, जो भाले जैसा प्रतीत होता है। इन तथ्यों ने बाघ के शिकार या तस्करी की आशंका को और मजबूत कर दिया है।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि बाघ की मौत लगभग तीन से चार दिन पहले हो चुकी थी। इतने लंबे समय तक जंगल में शव का पड़े रहना वन विभाग की गश्त और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। रेवटी क्षेत्र को संरक्षित वन्यजीव क्षेत्र माना जाता है,जहां कैमरा ट्रैप,नियमित पेट्रोलिंग और आधुनिक निगरानी साधनों के इस्तेमाल के दावे किए जाते रहे हैं। इसके बावजूद इतनी बड़ी घटना का देर से सामने आना विभागीय दावों की हकीकत उजागर करता है। स्थानीय ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वन अमले की गतिविधियां काफी सीमित हैं। जंगल में असामाजिक तत्वों का डर बहुत कम दिखाई देता है। एक ग्रामीण के अनुसार, कुछ दिन पहले जंगल से संदिग्ध आवाजें सुनाई दी थीं, जिसकी सूचना भी दी गई थी, लेकिन उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि कागजों में दिखने वाली निगरानी और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है। ऐसे में सवाल उठता है कि ड्रोन,जीपीएस ट्रैकिंग और अन्य आधुनिक उपकरणों की भूमिका इस क्षेत्र में आखिर क्या रही। बाघ के शव पर पाए गए चोट के निशान प्राकृतिक मौत से मेल नहीं खाते। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि बाघ को जाल या किसी धारदार हथियार से मारा गया हो सकता है। शव से एक नाखून का गायब होना तस्करी माफिया की ओर इशारा करता है, क्योंकि बाघ के अंगों की अंतरराष्ट्रीय काले बाजार में भारी कीमत है। घटनास्थल से बरामद लोहे का हथियार इस पूरे मामले को और रहस्यमय बना देता है। वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. रामेश्वर पटेल का कहना है कि इस तरह की मौतें प्रायोजित शिकार का संकेत देती हैं और मामले में तत्काल डीएनए टेस्ट व फॉरेंसिक जांच बेहद जरूरी है। घटना की सूचना मिलते ही बलरामपुर और सूरजपुर वन मंडलों के डीएफओ समेत संयुक्त वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बाघ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) तथा वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। गौरतलब है कि यह घटना कोई अकेला मामला नहीं है। हाल के वर्षों में छत्तीसगढ़ में बाघों की कई संदिग्ध मौतें सामने आ चुकी हैं। वन विभाग के बजट में बढ़ोतरी के बावजूद जमीनी स्तर पर निगरानी और संरक्षण में कमी साफ नजर आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक स्थानीय समुदाय को संरक्षण व्यवस्था में सक्रिय रूप से शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाना मुश्किल होगा। फिलहाल ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस बार दोषियों को पकड़ा जाएगा और यह मामला फाइलों में दबकर नहीं रह जाएगा।

युवा कांग्रेस ने कुलपति से मुलाकात कर छात्रहित में सौंपा ज्ञापन...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

युवा कांग्रेस आरटीआई विभाग के चेयरमैन हिमांशु जायसवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र लकपाले से मुलाकात की और छात्रहित में एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कई महत्वपूर्ण मांगें उठाई गईं, जिसमें प्रमुख रूप से प्राइवेट परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए आवेदन की समय सीमा बढ़ाने की मांग की गई। युवा कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने बताया कि कई छात्र परीक्षा आवेदन नहीं कर सके हैं और उनके लिए समय सीमा में वृद्धि की आवश्यकता है। इसके अलावा, छात्रों को समस्त जानकारी और आवेदन प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए विश्वविद्यालय में एक छात्र सहायता एंड्रायड ऐप बनाने की मांग की गई, ताकि छात्रों को एक क्लिक पर सभी आवश्यक जानकारी मिल सके और वे मोबाइल से ही आवेदन कर सकें। इसके अलावा, छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए भकुरा क्षेत्र में एक पुलिस चौकी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की भी मांग की गई, ताकि किसी आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सुविधा और पुलिस कार्रवाई उपलब्ध हो सके। हिमांशु जायसवाल ने यह भी कहा कि यदि विश्वविद्यालय की किसी गलती के कारण छात्र को भ्रमित होकर विश्वविद्यालय में भटकना पड़ा तो विश्वविद्यालय को छात्रों के यात्रा भत्ते (ट्रैवलिंग अलाउंस) की व्यवस्था करनी चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान सुरेंद्र गुप्ता, आयुष गुप्ता, कृष्ण यादव, प्रमोद जायसवाल, सत्यम यादव, अभिनव काशी, युगराज, राहुल आदि उपस्थित थे।

कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र लकपाले ने इन मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया और जल्द ही छात्रों के हित में इन मुद्दों को हल करने की बात कही।

आभूषण दुकान में चोरी की कोशिश,वारदात सीसीटीवी में कैद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के सदर रोड स्थित प्रसिद्ध जगदम्बा आभूषण में चोरी की कोशिश की गई, लेकिन चोर अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सका। बुर्का पहने एक व्यक्ति सीसीटीवी में चोरी की कोशिश करते हुए कैद हुआ है। घटना के समय दुकान के पास शोर-शराबा होने पर चोर डरकर मौके से भाग निकला। पुलिस के अनुसार, चोर ने दुकान के बगल में स्थित एक निर्माणाधीन मकान के रास्ते छत से होते हुए दुकान में घुसने की कोशिश की थी। हालांकि, वह दुकान के अंदर प्रवेश करने में सफल नहीं हो सका। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज में रिकॉर्ड हो गया है, जिसमें चोर को देखा जा सकता है। कोतवाली थाना प्रभारी शिशिरकांत सिन्हा ने बताया कि यह चोर और संभवतः गिरोह बाहरी लग रहे हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। व्यवसायियों का कहना है कि हालांकि चोरी की कोशिश असफल रही, लेकिन इस प्रकार की घटनाओं से व्यापारियों में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति ही कैद हुआ है। हालांकि पुलिस का मानना है कि यह काम किसी एक व्यक्ति का नहीं को सकता। इसके साथ और लोग हो सकते हैं। जो बाहरी गिरोह की संभावना है। चोरों ने पहले रेकी की होगी। इसके बाद वारदात को अंजाम देने की कोशिश की।

आवेदिका द्वारा थाना अंबिकापुर में बढ़ा-चढ़ा कर रिपोर्ट कर सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिये भ्रमित करने का मामला आया सामने

आवेदिका के घर पर लगे CCTV फुटेज के आधार पर की गई सत्यता की जाँच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

आवेदिका तहरूम निशा पति अब्दुल रहमान अंसारी गौसियानगर खरसिया चौक के पास अम्बिकापुर सरगुजा द्वारा दिनांक 26.11.25 को थाना कोतवाली अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि असगर अली, जावेद,अली,मोबारक अली,मंजूर एवं एहतराम मिलकर विगत रात्री घर में मेरे साथ मारपीट एवं धक्का मुक्की किये इसी दौरान सोने का चैन कहीं गिर गया। की रिपोर्ट पर 26.11.25 को अपराध 896/2025 धारा 351,(2) 115(2), 191 (2), 331 (6), 324 (2) बी.एन.एस. पंजिबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना में आवेदिका के सकूनत पर जाकर उसके घर के पास लगे सीसीटीव्ही फुटेज का अवलोकन किया गया प्राप्त वीडियो फुटेज अनुसार घटना के समय 25.11.25 की रात्री स्वयं बाहर निकल कर आरोपियो से विवाद करते हुए दिखी है। अनावेदकों के द्वारा आवेदिका के घर में प्रवेष नहीं किये है। अनावेदकों के द्वारा जिस भूमि पर निर्माण किया जा रहा है वह भूमि प्रार्थिया के भाई से 04 डिसमिल ख़रीद कर अनावेदकों द्वारा अपनी खरीदी गई भूमि पर निर्माण कराया जा रहा है। आवेदिका का बचत 02 डिसमिल भूमि को छोड़कर अनावेदकों द्वारा अपनी भूमि पर निर्माण कराया जा रहा है परन्तु स्थगन आदेश होने पर निर्माण कार्य बंद है। प्रार्थिया द्वारा अनावेदकों के विरूद्ध थाना कोतवाली में गंभीर धाराओं के अंतर्गत बढ़ा-चढ़ा कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वर्तमान में स्थगन आदेश के फलस्वरूप निर्माण कार्य बंद होने के बावजूद आवेदकों द्वारा लोगों को स्वयं एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक जानकारी देकर भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है एवं सोशल मीडिया उपयोगकर्ता द्वारा बिना सत्यता की जाँच किए भ्रामक जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट की जा रही है। सरगुजा पुलिस द्वारा क्षेत्र की जनता से अपील की जाती है कि किसी भी घटना की सत्यता की जाँच किए बिना अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भ्रामक जानकारी अपलोड न करें ना ही इस प्रकार के पोस्ट को बढ़ावा दे।

अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई 655 बोरी अवैध धान सहित जब्त 6 वाहन जब्त

-संवाददाता-
बलरामपुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशन में जिले में अवैध धान परिवहन के पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में राजस्व एवं संयुक्त टीम के द्वारा दो अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 655 बोरी अविध धान को जब्त किया गया है। ग्राम महादेवपुर में जनपद पंचायत रामचंद्रपुर जनपद सीईओ श्री रणवीर साय, तहसीलदार श्री अश्विनी चंद्रा,नायब तहसीलदार श्री आई. सी. यादव एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा उत्तरप्रदेश की ओर से आ रहे 4 ट्रैक्टर को रोककर पूछताछ की गई। जांच के दौरान ट्रैक्टरों में 520 बोरियां अवैध धान परिवहन करते हुए पाया गया। जिसे जब्त कर संबंधित वाहनों सहित थाना डिंडो में सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार ग्राम डूमरपान में भी प्रशासनिक टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए 2 पिकअप वाहनों को रोका गया जिनमें लगभग 135 बोरियां धान अवैध रूप से परिवहन की जा रही थी, जिसे जब्त कर थाना सनावल में सुपुर्द किया गया।

सर...हमारे स्कूल के पास पानी की व्यवस्था कर दीजिए.... बच्चों की मांग पर संवेदनशील कलेक्टर की त्वरित पहल

-संवाददाता-
बलरामपुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत स्थित चुनचुना-पुंदाग क्षेत्र प्रकृति की अनुपम सुंदरता के लिए जाना जाता है। चारों ओर फैली पहाड़ियाँ, झरने और घने हरे-भरे वन इस क्षेत्र को अद्वितीय बनाते हैं। किंतु लंबे समय तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, ऊबड़-खाबड़ रास्तों तथा नक्सल प्रभाव के कारण यह इलाका विकास की मुख्यधारा से कट गया था। चुनचुना-पुंदाग, पीपरढाबा, चरहू एवं बरपाट जैसे गाँव विशेष पिछड़ी पहाड़ी कोरवा जनजाति के निवास क्षेत्र हैं, जहाँ वर्षों तक बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहा। पानी, सड़क, बिजली और शिक्षा जैसी आवश्यक सुविधाएँ यहाँ के निवासियों के लिए किसी सपने से कम नहीं थीं। लेकिन शासन की सुदृढ़ नक्सल उन्मूलन नीति, सुरक्षा बलों की सतत उपस्थिति और जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली के चलते अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु मजबूत हुआ है और शासकीय योजनाएँ दुर्गम पहाड़ियों को पार कर गाँवों तक पहुँचने लगी हैं। इसी परिवर्तन की एक प्रेरक मिसाल उस समय देखने को मिली, जब चरहू और पीपरढाबा के स्कूली बच्चों ने प्रशासन से अपने विद्यालय परिसर में पेयजल की व्यवस्था करने की हृदयस्पर्शी मांग रखी कि ''सर हमारे स्कूल के पास पानी की व्यवस्था कर दीजिए'' मासूम बच्चों की आवाज़ जिला कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार कटारा तक पहुँची। कलेक्टर श्री कटारा ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को तत्काल स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण उपरांत चरहू प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, पीपरढाबा आंगनबाड़ी केंद्र तथा सोनपुर के बरपाट में हैंडपंप स्थापना का निर्णय लिया गया। दुर्गम पहाड़ी रास्तों, नदी-नालों और घने जंगलों के कारण बोरिंग मशीनों को गाँवों तक पहुँचाना चुनौतीपूर्ण था, किंतु प्रशासनिक टीम के अथक प्रयासों से वैकल्पिक मार्ग तैयार किए गए और कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने ईवीएम स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम स्ट्रांग रूम का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान ईवीएम वेयर हाउस की सील खोलकर कक्ष का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के पश्चात राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में कक्ष को पुनः सील किया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक एवं निर्वाचन शाखा के कर्मचारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

ग्राम डूमरडीह के पटवारी को हल्का नं. 8 से हटाने की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम डूमरडीह के ग्रामवासियों ने सोमवार को जनदर्शन में कलेक्टर विलास भोस्कर को ज्ञापन सौंपकर देवलाल मिंज, पटवारी हल्का नं. 8 को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है। ग्रामवासियों का आरोप है कि देवलाल ने अपनी पटवारी सेवा का दुरुपयोग किया है और वह लंबे समय से इस क्षेत्र में पक्षपाती और भ्रष्टाचारपूर्ण तरीके से कार्य कर रहे हैं। ग्रामवासियों ने आवेदन में बताया कि पटवारी का अपने ही गांव डूमरडीह में शोषण और भेदभावपूर्ण रवैया है। वे कृषकों के नामांतरण,सीमांकन और बटवारे के मामलों में रिश्वत की मांग करते हैं और निष्पक्षता से कार्य नहीं करते। इसके अलावा उसने पहाड़ी कोरवाओं की भूमि पर भी कब्जा करवाने का आरोप लगाया है, जिससे गरीब और असहाय लोग शोषित हो रहे हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि पटवारी का कार्यशैली अशांति फैलाने वाली है। वे जमीन के विवादों को बढ़ावा देते हैं और भूमि नापने के नाम पर पैसे की उगाही करते हैं। इस प्रकार के भ्रष्टाचार और पक्षपाती कार्यों से ग्रामवासियों में असंतोष और तनाव की स्थिति बनी हुई है।

मैनपाट के करमा रिसॉर्ट में 19 दिसंबर को धूमधाम से लोकनृत्य प्रतियोगिता विजेताओं को आकर्षक नगद पुरस्कार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 8 दिसंबर से 21 दिसंबर 2025 तक विशेष गतिविधियों और प्रतियोगिताओं की भव्य श्रृंखला आयोजित कर रहा है। प्रदेश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों, रिसॉर्ट्स और पर्यटन बोर्ड के प्रधान कार्यालय रायपुर में रचनात्मक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है। इनका मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। इसी कड़ी में पर्यटन बोर्ड 19 दिसंबर 2025 को सरगुजा जिले के मैनपाट स्थित करमा रिसॉर्ट में लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रही है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 7 हजार रुपये नगद, द्वितीय को 5 हजार रुपये तथा तृतीय को 3 हजार रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र भी भेंट किए जाएंगे। प्रचार सामग्री में स्थान और व्यापक पहचान का अवसर प्रतियोगिता के दौरान कैद किए गए छायाचित्रों और वीडियो को छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की प्रचार सामग्री तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रमुखता से स्थान दिया जाएगा। इससे प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। ये आयोजन न केवल स्थानीय पर्यटन को गति देंगे, बल्कि युवाओं में लोककला के प्रति उत्साह भी जगाएंगे। पर्यटन बोर्ड ने राज्य के युवाओं, पर्यटकों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

पुलिस बल आरक्षक संवर्ग भर्ती प्रक्रिया का बोनस अंक का विवरण जारी

प्रतीक्षा सूची में चयनित एवं अभ्यर्थी एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं व्यापम द्वारा लिया गया था लिखित परीक्षा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

चयन सूची/प्रतीक्षा सूची छत्तीसगढ़ पुलिस की वेबसाइट https://cgpolice.gov.in एवं अन्य समाचार पत्रों में दिनांक 09-12-2025 को प्रकाशित किया गया था। उक्त चयन/प्रतीक्षा सूची में चयनित अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं व्यापम द्वारा जारी लिखित परीक्षा तथा बोनस अंक का विवरण दिनांक 14-12-2025 को पुलिस नियंत्रण कक्ष अंबिकापुर, पुलिस अधीक्षक कार्यालय अंबिकापुर में सूची चस्पा की गई है। अभ्यर्थियों की चयनित/प्रतीक्षा सूची को छत्तीसगढ़ पुलिस कार्यपालिका बल, आरक्षक (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) नियम, 2007 एवं संशोधित नियम 2019 की कंडिका-07 की (छः) एवं (सात) में दिए गए प्रावधानों का पूर्णतः पालन करते हुए तैयार की गई है। उक्त नियम में उल्लेखित प्रावधान निम्नानुसार हैं :-

1- चयन/प्रतीक्षा सूची में शासन के निर्देशानुसार नगर सैनिकों के लिए वर्गवार रिक्तियों में 25 प्रतिशत क्षैतिज एवं श्रेणीवार एवं जाति वर्गवार आरक्षण का लाभ दिया गया है।

2- चयन/प्रतीक्षा सूची में शासन के निर्देशानुसार भूतपूर्व सैनिकों के लिए वर्गवार रिक्तियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज एवं श्रेणीवार एवं जाति वर्गवार आरक्षण का लाभ दिया गया है।

3- चयन/प्रतीक्षा सूची में शासन के निर्देशानुसार महिलाओं के लिए वर्गवार रिक्तियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज एवं विभागवार एवं जाति वर्गवार आरक्षण का लाभ दिया गया है।

4- अभ्यर्थियों को उल्लेखित शीर्षक की विशेष योग्यता हेतु प्रत्येक शीर्षक के लिए 05 अंक निर्धारित कर कुल 10 अंक अधिकतम बोनस अंक प्रदान किया गया है।

(क) राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में प्रवीणता

(केवल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता, जिनका सीधा संचालन उस खेल के अखिल भारतीय संघ द्वारा किया जाता है) में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 05 अंक बोनस प्रदान किया गया।

(ख) एन.सी.सी. 'ष्ट' प्रमाण-पत्र धारक / एन.एस.एस. (राष्ट्रीय सेवा योजना) का प्रमाण-पत्र धारक को 05 अंक बोनस प्रदान किया गया।

अभ्यर्थी उपरोक्तानुसार शारीरिक दक्षता परीक्षा/व्यापम द्वारा जारी लिखित परीक्षा एवं बोनस अंक इस प्रकार कुल प्राप्तांक अंकों का अवलोकन कर सकते हैं।

प्राचीन भारत में विज्ञान और तकनीक था उच्च स्तर पर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबिकापुर में 'क्वांटम-2025 इनोवेटिव टेक्निक्स इन इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी एंड साइंस ए प्रैक्टिकल एप्रोच पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन कलेक्टर विलास भोस्कर द्वारा किया गया, जिसमें प्रमुख अतिथि के रूप में प्रोफेसर एनके समाधिया, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर आरजे पाण्डेय, प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक, ने शिरकत की। डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने रोजगारपरक शिक्षा और कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि ज्ञान का सही तरीके से हस्तांतरण करने से ही प्रभावी शिक्षा संभव है। प्रोफेसर आरजे पाण्डेय ने मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, थ्रीडी प्रिंटिंग, और इंटरनेट ऑफ थिंग्स के माध्यम से विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नवीनतम बदलावों पर चर्चा की। डॉ. एसके श्रीवास्तव ने रामायण में वर्णित प्राचीन इंजीनियरिंग और विज्ञान के अद्भुत ज्ञान का उदाहरण देते हुए बताया कि प्राचीन भारत में विज्ञान और तकनीक उच्च स्तर पर था। सम्मेलन के दूसरे सत्र में आशीष घारपुरे, प्रोफेसर डॉ. एसके श्रीवास्तव, और डॉ. राम नारायण खरे सहित अन्य शोधकर्ताओं ने शोध पत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम के दौरान शासकीय नवीन संगीत महाविद्यालय द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन पूनम दीवान ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. रोबिन थॉमस ने किया। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मनरेगा के तहत प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 का शुभारंभ

कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के मिलेंगे अवसर : सीईओ विनय कुमार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 के तहत ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में जिले में विभिन्न ट्रेडों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल ने जनपद पंचायत अंबिकापुर की ग्राम पंचायत खलीबा, मेंद्राखुर्द, चठिरमा, बलसेडी एवं कुल्हाड़ी के कुल 35 ग्रामीणों को राजमिस्त्री कार्य के 30 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। आर-सेटी अंबिकापुर द्वारा प्रारंभ की गई प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को कुशल बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को भवन निर्माण कार्य से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत खलीबा में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक रूप से ईंट-चिनाई, प्लास्टर, फाउंडेशन, लेआउट, माप-जोख एवं गुणवत्ता मानकों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण अवधि के दौरान योजना के प्रावधानों के तहत प्रतिभागियों को 261 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी भी प्रदान की जाएगी, क्योंकि इन युवाओं द्वारा मनरेगा अंतर्गत 60 दिवस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इससे प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें आर्थिक सहयोग भी प्राप्त होगा। इस प्रशिक्षण में 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के ग्रामीण युवक-युवतियां शामिल हैं। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत ये सभी प्रतिभागी राजमिस्त्री के रूप में कार्य करने में सक्षम होंगे तथा प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य शासकीय एवं निजी निर्माण कार्यों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में राजमिस्त्रियों की कमी भी दूर होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि 30 दिन का यह प्रशिक्षण भविष्य की आय बढ़ाने का मजबूत आधार है। उन्होंने युवाओं से प्रशिक्षण को गंभीरता से सीखने, कार्य में परफेक्शन लाने एवं अपने कौशल का सही उपयोग कर आर्थिक उन्नति करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतियोगिता को बताया कि प्रशिक्षण के दौरान टूल किट, भोजन की व्यवस्था तथा आगे चलकर स्वरोजगार हेतु ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। सीईओ श्री अग्रवाल ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे आत्मनिर्भर बनेंगे और आय में निरंतर वृद्धि होगी।

जनता की उम्मीदों का आशियाना,त्वरित समाधान का भरोसेमंद केंद्र

अब तक 14995 प्रकरणों का किया जा चुका है त्वरित निराकरण

-संवाददाता-
जशपुरनगर,15 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर स्थापित सीएम कैंप कार्यालय बगिया आज लोगों की समस्याओं का सबसे तेज और भरोसेमंद समाधान केंद्र बन चुका है। तीज त्यौहार हो या अर्द्धरात्रि, बस एक फोन कॉल पर सहायता पहुँचना अब यहां की सामान्य प्रक्रिया बन गई है। नारायणपुर के चिटकवाईन गंझू टोली में ट्रांसफार्मर खराब होने से उत्पन्न संकट हो या आपात स्वास्थ्य सहायता कैंप कार्यालय हर परिस्थिति में तत्पर दिखाई देता है।स्थापना के बाद से अब तक लगभग 14,995 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया है। बिजली, पेयजल, सड़क, राजस्व, स्वास्थ्य, सामाजिक सहायता,आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई ने लोगों का विश्वास और गहरा किया है। 110 नए ट्रांसफार्मर, नई विद्युत लाइनें और उपकेंद्रों की स्थापना से लोगों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में कैंप कार्यालय ने मानवीय सेवाभाव का उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत जिले के 72 मरीजों के इलाज के 2 करोड़ 85 लाख रुपए की मिली स्वीकृति मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर संचालित सीएम कैंप कार्यालय बगिया से बीते दो वर्षों में कई जरूरतमंद हितग्राहियों को त्वरित लाभ प्रदान किया गया।

दिनदहाड़े टांगी से अधेड़ को काट डाला...खून से लथपथ

इस हाल में मिली लाश,इलाके में फैली सनसनी

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के अलग-अलग जिलों से हत्या, दुष्कर्म और अन्य गंभीर अपराधों की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे आमजन में भय और असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक अधेड़ व्यक्ति की टांगी से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह मामला जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम जमदेई का है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय रामजतन पनिका के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार यह वारदात बीती रात की बताई जा रही है। सुबह जब परिजन नींद से जागे तो उन्होंने घर के आंगन में रामजतन पनिका का खून से लथपथ शव पड़ा देखा। शव को देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

जांच में जुटी पुलिस...

घटना की सूचना तत्काल जयनगर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रथम दृष्टया हत्या टांगी जैसे धारदार हथियार से किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सके।

परिजनों से भी पूछताछ जारी...

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम को भी मौके पर बुलाया है। एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के लोगों और परिजनों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि घटना से जुड़े अहम सुराग मिल सकें। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। न ही यह स्पष्ट हो पाया है कि वारदात के पीछे आपसी रंजिश थी या कोई अन्य कारण। पुलिस अज्ञात हत्यारे की तलाश में जुटी हुई है और हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है।

जिले में शीतलहर को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया अलर्ट

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में बढ़ती ठंड और संभावित शीतलहर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा ने आमजन से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में तापमान में गिरावट, शीतलहर एवं शीत दिवस की स्थिति बनने की संभावना जताई गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ कपिल देव पैकरा ने बताया कि शीतलहर का प्रभाव विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं, कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों पर अधिक पड़ता है। साथ ही हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, मधुमेह, अस्थमा एवं अन्य दीर्घकालिक रोगों से ग्रसित व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। शीतलहर के दौरान शरीर का तापमान अचानक गिर सकता है, जिससे हाइपोथर्मिया, हाथ-पैरों में सुन्नपन, श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि तथा हृदय रोगियों में जटिलताएँ बढ़ने की आशंका रहती है। बच्चों में सर्दी-जुकाम व निमोनिया का खतरा भी बढ़ जाता है। उन्होंने शीत लहर को विशेष ध्यान में रखते हुए नागरिकों को परतदार गर्म कपड़े पहनने, ऊनी टोपी, मफलर, दस्ताने व मोजे का उपयोग करने की सलाह दी है। सुबह एवं शाम के समय अनावश्यक बाहर निकलने से बचने, गर्म भोजन व पेय पदार्थों का सेवन करने तथा ठंड में भी पर्याप्त पानी पीने की अपील की गई है। साथ ही धूम्रपान से दूर रहने की सलाह दी गई है।

नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ता उत्साहित

घड़ी चौक पर पटाखे फोड़ कर खुशियां मनाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रभारी व बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा सरगुजा के कार्यकताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पार्टी में नया गुरुतर दायित्व ग्रहण करने पर श्री नबीन को बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के प्रत आभार व्यक्त किया है तथा स्थानीय घड़ी चौक पर पटाखे फोड़े और मिठाईयां बांटी । भाजपा के जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि श्री नबीन ने प्रदेश सह प्रभारी, लोकसभा चुनाव प्रभारी और प्रदेश प्रभारी रहते हुए संगठन कौशल और रणनीतिक मोर्चे पर पार्टी के प्रदेशभर के कार्यकताओं में ऊर्जा का संचार कर भाजपा को लगातार विजयी बनाने में अहम् भूमिका निभाई और अब इस भूमिका का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार होना सुनिश्चित है। आगे उन्होंने कहा कि श्री नबीन जमीन से जुड़ी राजनीति के प्रतीक है और इसलिए जनता जनार्दन के साथ-साथ पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से उनका जीवंत सम्पर्क है और उनकी यही संगठनात्मक विशिष्टता और प्रतिबद्धता भाजपा को एक सशक्त राजनीतिक दल के रूप स्थापित करने के लिए हम सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करेगी। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने कहा कि श्री नबीन की नियुक्ति से छत्तीसगढ़ के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता अभिभूत हैं। श्री नबीन के नेतृत्व में हम सबने पार्टी की रीति-नीति और संगठनात्मक दायित्वों व गतिविधियों की गम्भीरता को समझा है।

कुष्ठ रोग का उपचार सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क उपलब्ध

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

राज्य शासन निर्देशानुसार जिले में सघन कुष्ठ जांच खोज अभियान 8 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ कपिल देव पैकरा ने बताया की कुष्ठ जांच खोज अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में कुष्ठ रोग की समय पर पहचान, त्वरित उपचार सुनिश्चित करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने नागरिकों से सर्वे दल के घर पहुंचने पर पूर्ण सहयोग करने के लिए अपील की है। परिवार के सभी सदस्यों की जांच अवश्य करवाएं ताकि कुष्ठ मुक्त समाज का लक्ष्य हासिल किया जा सके। कुष्ठ रोग पूर्णतरू उपचार योग्य है तथा यह रोग छूने अथवा हाथ मिलाने से नहीं फैलता। कुष्ठ रोग का उपचार सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निशुल्क उपलब्ध है। नोडल डॉ राजेश पैकरा ने बताया कि कुष्ठ जांच खोज अभियान के तहत जिले के सभी विकासखंडो में स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित टीम आरएचओ एवं मितानिनों द्वारा घर-घर जा कर प्रत्येक व्यक्ति की जांच की जा रही है। सर्वे के दौरान ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन सर्वे किया जा रहा है। इस दौरान कुष्ठ रोग के शंकास्पद मामलों की पहचान कर प्रारंभिक अवस्था में ही एमडीटी की दावा उपलब्ध कराई जाएगी।

व्यापार समाचार

सेंसेक्स 54 अंक गिरकर 85,213 पर बंद...निफ्टी में 20 अंक की गिरावट रही,ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में बिकवाली

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। सोमवार को कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि,पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इन दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.06 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। सोमवार को दिन भर के कारोबार के बाद दौरान आईटी,एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीददारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स,मेटल,ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, टेलीकॉम,ऑटोमोबाइल और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में सोमवार को बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी सोमवार को आमतौर पर खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ सोमवार को कारोबार का अंत किया। सोमवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 65 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सोमवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 470.95 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार को कारोबार से करीब 66 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,239 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए,जबकि 2,031 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में सोमवार को 2,851 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,488 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,363 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 375.91 अंक की कमजोरी के साथ 84,891.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक लुढक कर 84,840.32 अंक तक आ गया। पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 437 अंक से अधिक उछल कर 10.97 अंक की मामूली तेजी के साथ 85,278.63 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक कायम नहीं रह सकी। आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स एक बार फिर लाल निशान में गिर कर 54.30 अंक की कमजोरी के साथ 85,213.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 116.90 अंक टूट कर 25,930.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक पहले आधे घंटे में ही गिर कर 25,904.75 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे निफ्टी की चाल में भी सुधार होने लगा।

महंगाई के मोर्चे पर राहत : थोक महंगाई दर नवंबर महीने में -0.32 फीसदी पर

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को मामूली राहत मिली है। नवंबर महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर में बढ़त देखने को मिली है। इस दौरान थोक महंगाई घटकर (-) 0.32 फीसदी पर आ गई, जबकि अक्टूबर में यह (-) 1.21 फीसदी पर थी। नवंबर, 2024 में 2.16 फीसदी रही थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, बुनियादी धातुओं के उत्पादन और बिजली आदि की कीमतों में कमी इसकी मुख्य वजह रही। आंकड़ों के अनुसार नवंबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 4.16 फीसदी रही, जबकि अक्टूबर में यह 8.31 फीसदी थी। सब्जियों की महंगाई दर 20.23 फीसदी रही, जो अक्टूबर में 34.97 फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक दालों की कीमतों में नवंबर में 15.21 फीसदी की कमी आई, जबकि आलू तथा प्याज की कीमतें क्रमशः 36.14 फीसदी और 64.70 फीसदी घटीं। इसके अलावा विनिर्मित उत्पादों के मामले में नवंबर में महंगाई घटकर 1.33 फीसदी हो गई, जबकि अक्टूबर में यह 1.54 फीसदी थी। इस दौरान ईंधन तथा बिजली की कीमतों की महंगाई दर 2.27 फीसदी रही, जो अक्टूबर में 2.55 फीसदी थी। पिछले हफ्ते जारी आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण नवंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर मामूली वृद्धि के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर 0.25 फीसदी से बढ़कर 0.71 फीसदी पर पहुंच गई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दर रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी कर दिया था।

सम्मान या सौदा? छत्तीसगढ़ में मीडिया की नई और खतरनाक परंपरा

-रवि सिंह-

कोरिया, 15 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में इन दिनों एक नई परंपरा बड़ी तेज़ी से पनप रही है मीडिया के नाम पर सम्मान समारोह,दिखने में भले ही यह सामाजिक सम्मान लगे, लेकिन इसके भीतर जो चल रहा है,वह पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के बिल्कुल उलट है, सवाल सीधा है क्या किसी न्यूज़ चैनल या समाचार पत्र का सामान्य सा सम्मान समारोह आयोजित कर,चंदा इकट्ठा कर,और नेताओं के हाथों से चुनिंदा लोगों को सम्मानित करना उचित है? और उससे भी बड़ा सवाल क्या यही मीडिया का काम है? लोकतंत्र में मीडिया को चौथा स्तंभ इसलिए कहा गया क्योंकि उससे यह अपेक्षा थी कि वह सत्ता, व्यवस्था और समाज तीनों के सामने आईना बनकर खड़ा रहेगा, लेकिन आज वही मीडिया अगर आईना छोड़कर मंच संचालक, सम्मान वितरक और सौदेबाज़ की भूमिका में उतर आए, तो यह केवल पत्रकारिता का पतन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की खुली बेइज्जती है, सम्मान नहीं, यह वैधता बेचने का कारोबार है आज जिस तरह से मीडिया के नाम पर जगह-जगह सम्मान समारोह आयोजित हो रहे हैं, वह किसी भी जिम्मेदार समाज के लिए खतरे की घंटी है, यह सम्मान न किसी संवैधानिक प्रक्रिया से जुड़ा है, न किसी नैतिक कसौटी पर खरा उतरता है, न ही जनहित से इसका कोई सरोकार है, यह केवल एक लेन-देन आधारित वैधता प्रमाणपत्र बन चुका है जहां पैसा, रसूख और सत्ता-समीकरण के बदले चरित्र पर लगी कालिख को सम्मान से ढक दिया जाता है, अगर यह ट्रेंड नहीं रुका तो आने वाली पीढ़ी के लिए पत्रकारिता का मतलब होगा मंच, माला और प्रमाणपत्र और तब सच बोलने वाला पत्रकार सम्मानित नहीं, अकेला और बेरोज़गार होगा, यह सम्मान की परंपरा नहीं, चौथे स्तंभ का आत्मसमर्पण है और आत्मसमर्पण करने वालों को इतिहास कभी माफ़ नहीं करता।

क्या मीडिया को यह संवैधानिक अधिकार है?

संविधान मीडिया को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है,सम्मान वितरण का लाइसेंस नहीं,संविधान ने मीडिया को सत्ता की निगरानी का अधिकार दिया,जनता की आवाज़ बनने की जिम्मेदारी दी और गलत को गलत कहने की ताकत दी लेकिन कहीं भी यह नहीं लिखा कि मीडिया सत्ता, प्रभावशाली लोगों या विवादित चेहरों को सम्मानित कर उन्हें सामाजिक स्वीकृति प्रदान करे, यह अधिकार नहीं, स्वेच्छाचार है।

क्या यह व्यापारिक श्रेणी का नया रूप है?

यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा क्या ये सम्मान समारोह पत्रकारिता नहीं, एक व्यापारिक मॉडल बन चुके हैं? जहां सम्मान एक प्रोडक्ट है, मंच एक मार्केट है और मीडिया का नाम ब्रांड टैग अगर ऐसा है,तो यह पत्रकारिता नहीं,व्यापारिक गतिविधि है और बेहद खतरनाक।

मीडिया अब प्रहरी नहीं,परदा बनता जा रहा है

मीडिया का धर्म था परदे के पीछे छिपे सच को सामने लाना,लेकिन आज मीडिया खुद परदा बनता जा रहा है, जिसके पीछे भ्रष्टाचार,अपराध और सत्ता की सांठगांठ आराम से सांस ले रही है,जब मीडिया सवाल पूछने के बजाय सम्मान पत्र थमाने लगे,तो समझ लेना चाहिए कि प्रहरी सो चुका है या बिक चुका है।

सम्मान पत्रों की सामाजिक वैल्यूः शून्य

एक कड़वा सच यह भी है कि इन कथित सम्मान पत्रों की न कोई कानूनी वैल्यू है,न नैतिक वजन,ये कागज़ केवल सोशल मीडिया पोस्ट, दीवारों की सजावट और झूठे गौरव के उपकरण बनकर रह गए हैं,लेकिन इनके बदले जो गिरवी रखा जा रहा है, वह है मीडिया की साख, जिसे दोबारा खड़ा करना आसान नहीं होगा।

समाज भी उतना ही दोषी

यह संपादकीय केवल मीडिया के खिलाफ नहीं है, यह समाज से भी सवाल करता है जब समाज नकली मंचों पर ताली बजाता है, तो वह खुद अपने भविष्य के लिए नकली नायक गढ़ता है और जब समाज सवाल पूछना छोड़ देता है, तो मीडिया का यह पतन और तेज़ हो जाता है।

मीडिया सवाल पूछे या शॉल ओढ़ाए?

मीडिया का काम है जिन पर आरोप हैं, उनसे सवाल पूछना,जिन पर शक है, उनसे जवाब मांगना,जिनके हाथ गंदे हैं,उन्हें उजागर करना लेकिन जब वही मीडिया उन्हीं लोगों को मंच पर बुलाकर शॉल,श्रीफल और प्रमाण-पत्र थमाने लगे,तो सवाल उठना स्वाभाविक है कल जब इनके खिलाफ खबर करनी होगी, तो क्या मीडिया नैतिक रूप से सक्षम रहेगा? या फिर सम्मान की तस्वीरें खबर की रीढ़ तोड़ देंगी? यह विडंबना नहीं,अपराध है कि जिन व्यक्तियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं भ्रष्टाचार की जांचें चल रही हैं सत्ता के दलाल होने के आरोप हैं उन्हें मीडिया मंच पर समाज के आदर्श की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है, यह न सिर्फ जनता की आंखों में धूल झोंकना है, बल्कि सच बोलने वाली पत्रकारिता पर सीधा हमला है।

सम्मान का अर्थ और मीडिया की सीमा

सम्मान का मतलब होता है उत्कृष्ट कार्य की सार्वजनिक स्वीकृति, जब कोई सरकार अपने कर्मचारियों को,कोई संस्था अपने कर्मियों को, या कोई कंपनी अपने उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करती है, तो वह समझ में आता है, उसी तरह यदि कोई मीडिया संस्थान अपने रिपोर्टर, एंकर,कैमरामैन,संपादक या तकनीकी स्टाफ को उनके साहसिक, ईमानदार और जनहितकारी कार्य के लिए सम्मानित करे तो यह न सिर्फ उचित है, बल्कि सराहनीय भी है, लेकिन समस्या वहां शुरू होती है, जहां मीडिया अपने दायरे से बाहर निकलकर उन लोगों को सम्मानित करने लगता है जिनसे सवाल पूछना उसका कर्तव्य है।

सम्मान या धंधा? जनता को मूर्ख बनाने की नई स्कीम

सम्मान तब होता है जब वह निस्वार्थ हो, योग्यता आधारित हो, और लोकहित में हो, लेकिन आज जो हो रहा है, वह सम्मान नहीं यह टिकट लेकर मंच पर चढ़ने की व्यवस्था है, चंदा दो, फोटो खिंचवाओ, प्रमाणपत्र लो, और खुद को समाजसेवी, सम्मानित नागरिक कहलवाओ, इस पूरी प्रक्रिया में न चरित्र देखा जाता है, न आचरण, न आपराधिक पृष्ठभूमि, न भ्रष्टाचार की फाइलें, बस एक ही सवाल कितना दोगे?

आरोपी को माला,ईमानदार को सन्नाटा

यह सबसे बड़ा नैतिक अपराध है कि जिनके नाम थानों और जांच एजेंसियों की फाइलों में हैं,जिन पर भ्रष्टाचार, दलाली, वसूली और सत्ता के एजेंट होने के आरोप हैं,उन्हें मीडिया मंच पर माला पहनाकर महिमामंडित किया जा रहा है, और दूसरी तरफ जो सच बोलते हैं, जो सवाल पूछते हैं,जो जनता के पक्ष में खड़े होते हैं उन्हें या तो चुप करा दिया जाता है, या कोने में धकेल दिया जाता है।

मीडिया अब आईना नहीं, मेकअप बॉक्स बनता जा रहा है

मीडिया का काम समाज को आईना दिखाना था लेकिन अब मीडिया चेहरों पर मेकअप लगाने का औज़ार बनता जा रहा है, जिसका चेहरा सवालों से भरा है, मीडिया उसे सम्मान की रोशनी में चमका देता है, जिसकी सच्चाई काली है, मीडिया उस पर सुनहरा फ्रेम चढ़ा देता है, यह पत्रकारिता नहीं यह चरित्र धुलाई है।

चंदा,मंच और नेताःसम्मान का नया फार्मूला

आज छत्तीसगढ़ में जो मॉडल दिख रहा है, वह साफ है पहले सम्मान समारोह की घोषणा, फिर अलगड्डअलग नामों से चंदा संग्रह, फिर किसी मंत्री, विधायक या नेता को मंच पर बुलाना और अंत में चुनिंदा लोगों को सम्मानित करना यह सम्मान कम, इवेंट मैनेजमेंट ज़्यादा लगता है, यहां न कोई पारदर्शी चयन प्रक्रिया है, न कोई सार्वजनिक मापदंड, न कोई जवाबदेही, सवाल उठता है क्या यह सम्मान है या वैधता बेचने का एक तरीका?

यह सम्मान नहीं,आत्मसमर्पण है...

स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो यह सम्मान की परंपरा नहीं,चौथे स्तंभ का आत्मसमर्पण है,अगर मीडिया ने अभी भी आत्ममंथन नहीं किया, तो आने वाला समय पत्रकारिता को सम्मान समारोहों की फाइल में दफन कर देगा,लोकतंत्र को तालियों की नहीं,सवालों की ज़रूरत है और जो मीडिया सवाल छोड़ दे,वह सम्मान का नहीं अविश्वास का पात्र बनता है, मीडिया द्वारा अपने दायरे से बाहर जाकर बाहरी व्यक्तियों को सम्मानित करना न तो स्वस्थ परंपरा है,न नैतिक,न ही पत्रकारिता के अनुकूल,यह परंपरा मीडिया की निष्पक्षता को धीरे-धीरे खोखला कर रही है,अगर अभी भी आत्ममंथन नहीं हुआ,तो आने वाले समय में मीडिया सवाल पूछने वाला नहीं,सम्मान बेचने वाला मंच बनकर रह जाएगा, और तब चौथा स्तंभ लोकतंत्र का सहारा नहीं,उसकी कमजोरी कहलाएगा।

आवारा कुत्तों के प्रबंधन को लेकर सोनहत में प्रशिक्षण आयोजित

-संवाददाता-

सोनहत, 15 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के परिपालन में ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों से आमजन की सुरक्षा एवं राहत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखण्ड सोनहत में आवारा कुत्तों के पर्यवेक्षण एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में विकासखण्ड सोनहत के विभिन्न ग्राम पंचायतों में खेल परिसर, स्टेडियम, बस स्टैंड/बस स्टॉप जैसे सार्वजनिक स्थलों का चिन्हांकन किया गया है। चिन्हांकित स्थानों पर निर्धारित प्रारूप में नोटिस बोर्ड लगाए गए हैं। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में इन स्थानों के लिए नोडल अधिकारी एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो संबंधित स्थलों का प्रत्येक तीन माह में कम से कम एक बार निरीक्षण करेंगे, उक्त व्यवस्था के तहत दिनांक 15 दिसंबर को जनपद पंचायत सोनहत के सभाकक्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, पशुधन विकास विभाग, शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीड्डकर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान नोडल एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराया गया, प्रशिक्षण सत्र में विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय के माध्यम से आवारा कुत्तों के पर्यवेक्षण, नियंत्रण एवं प्रबंधन से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई तथा आमजन की सुरक्षा के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों से निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों से होने वाली समस्याओं पर नियंत्रण पाया जा सके।

रैन बसेरा बना पोषण पुनर्वास केन्द्र इस कड़ाके की ठंड में लोग हो रहे हैं परेशान

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां, 15 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

खड़गवां ब्लॉक मुख्यालय खड़गवां जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत पिछले 25 वर्ष पहले रैन बसेरा का निर्माण कार्य मध्य प्रदेश की सरकार ने दूर दराज से जनपद पंचायत मुख्यालय आये हुए ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के ठहरने के लिए निर्माण कराया था। आज जब कड़ाके की ठंड पड़ रही है तो जनपद पंचायत में प्रवास में आने वाले लोगों को ठहरने के लिए कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है।

जबकि जनपद पंचायत क्षेत्र में रैन बसेरा का निर्माण कार्य मध्यप्रदेश सरकार ने लोगों के अस्थायी ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। जनपद पंचायत खड़गवां में शुरूवात के समय पर रैन बसेरा का उपयोग भी सही ढंग से हो रहा था बाद में इसका उपयोग पोषण पुनर्वास केन्द्र के लिए भवन के रूप में स्वास्थ्य विभाग खड़गवां को दे दिया गया है। आज जनपद पंचायत खड़गवां में दूर दराज से आए ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों को इस कड़ाके की ठंड में रूकने के लिए कोई भवन उपलब्ध नहीं है जिससे दूर दराज से आने वाले लोगों को बाड़ी मुश्किलों का सामन करना पड़ रहा है।

साहू समाज सोनहत ब्लॉक की नई कार्यकारिणी गठित, राजकुमार साहू बने ब्लॉक अध्यक्ष

-संवाददाता-

सोनहत, 15 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

साहू समाज सोनहत ब्लॉक की तहसील स्तरीय कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इस अवसर पर साहू समाज के जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें समाज की संगठनात्मक मजबूती और भविष्य की दिशा पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं, उपस्थित समाजजनों ने नई कार्यकारिणी से समाजहित में सक्रिय,पारदर्शी और समर्पित कार्य करने की अपेक्षा जताई, नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार साहू ने कहा कि समाज ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उनका हरसंभव प्रयास समाज कल्याण, संगठन की मजबूती और युवाओं को जोड़ते हुए समाज को नए आयाम और नई दिशा देने का रहेगा, उन्होंने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को भी हार्दिक बधाई देते हुए सामूहिक रूप से कार्य करने का आह्वान किया, कार्यक्रम के समापन पर समाज की एकजुटता और सक्रिय सहभागिता को लेकर सकारात्मक संदेश दिया गया।

नवगठित कार्यकारिणी इस प्रकार है...

- अध्यक्ष (सर्वसम्मति से): राजकुमार साहू
- उपाध्यक्षः जय कुमार साहू
- संगठन सचिवः वीरेंद्र साहू
- महामंत्रीः उमाशंकर साहू

न्यायालय अनुविभागिय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तेहार

रा0प्र0क्र0..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सिकुन्दा खेस्स पत्नी मेलोश तिर्की जाति उरांव निवासी बिशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम बिशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 157/8 रकबा 0.024 हैं0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागिय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-164-25-26, दिनांकः 09.12.2025.
कार्यः बिलासपुर संभाग के सहायक मंडल अभियंता/मनेंद्रगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अंबिकापुर स्टेशन पर 6 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य। निविदा मूल्यः ₹6,55,14,230/-. अमानत राशिः ₹4,77,600/-. कार्य पूर्णता की अवधिः 09 माह।

क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-165-25-26, दिनांकः 09.12.2025.
कार्यः बिलासपुर संभाग के वरिष्ठ मंडल अभियंता/उत्तर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत RDSO द्वारा अनुमोदित एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग द्वारा वेल्डिंग पोर्शन का सप्लाई और रेल जॉइंट्स की वेल्डिंग का कार्य। निविदा मूल्यः ₹91,03,872/-. अमानत राशिः ₹1,82,100/-. कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 17.12.2025 से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 31.12.2025 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/
सीपीआर/10/543 द.पू.म.रे., बिलासपुर

South East Central Railway @secrail
MUM01864/25-26

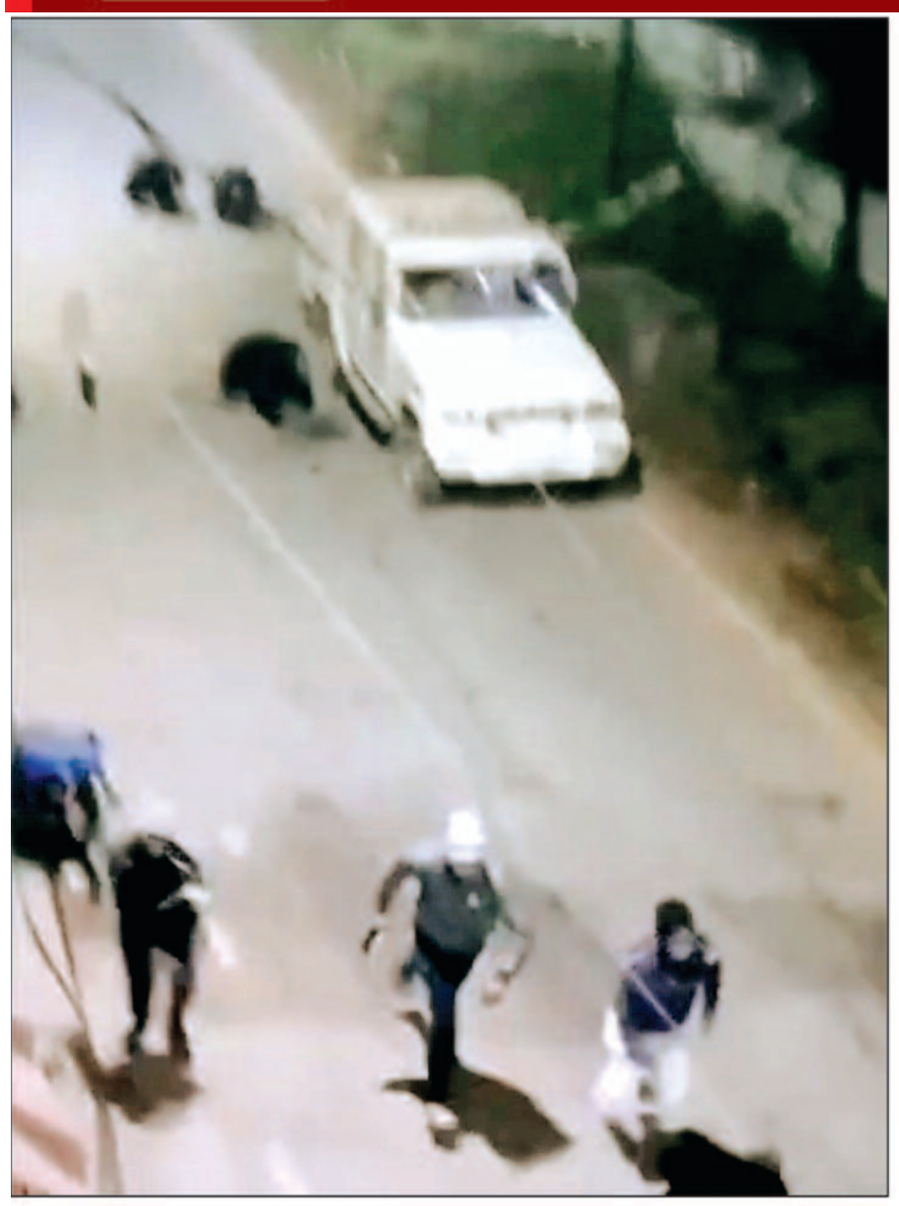

शहर में भालू,गांव में हाथी

एमसीबी जिला बना... 'ह्यूमन-वाइल्डलाइफ वार ज़ोन'

सुबह की सड़कों पर भालू...रात में हाथी : दहशत में जिला मुख्यालय...

भालू का हमला,हाथियों का कहर : प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल...

मनेन्द्रगढ़ में भालू हाथी बेलगाम : क्या प्रशासन किसी मौत का इंतज़ार कर रहा है?

मनेन्द्रगढ़ शहर में भालू का तांडव : क्या प्रशासन किसी बड़ी अप्रिय घटना का इंतज़ार कर रहा है?

-राजन पांडेय-

एमसीबी,15 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में मानवङ्कवन्यजीव संघर्ष गंभीर होता जा रहा है, एक ओर शहरी इलाकों में भालू की बेखौफ मौजूदगी से लोग दहशत में हैं,वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अंचलों में हाथियों का उत्पात जानङ्कमाल के लिए खतरा बन चुका है, सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी घटना के बाद ही ठोस कदम उठाएगा?

रिहायशी इलाकों में भालू बेखौफ,वन विभाग बेखबर, कैमरे में कैद भालू का हमला,कार्रवाई अब भी फाइलों में, एक पत्र, पंद्रह दिन, शून्य कार्रवाईः डीएफओ पर उठी उंगलियाँ, माँ भालू ने अखबार वितरक को दौड़ाया,साइकिल छोड़ भागा युवक, भालू अब जंगल नहीं, कॉलोनियों में कर रहा सुबह की सैर, शहर में खुलेआम भालू, बच्चे-बुजुर्ग सबसे ज़्यादा खतरे में, हाथी का कहरः मकान, कार और बाइक रौंदी, ग्रामीण सहमे,बिना मुनादी गांव में घुसा हाथी, भारी नुकसान,जनकपुर क्षेत्र में हाथी का आतंक, वन विभाग अलर्ट मोड में,'ऑपरेशन ट्रैंक्विलाइज' सिर्फ कागज़ों में? क्या डीएफओ ने पत्र लिखकर निभा ली जिम्मेदारी? रेंजर मुख्यालय से 50 किमी दूर, शहर भालू के हवाले,भालू से दहशत,थाने पहुँचे लोग डीएफओ-रेंजर पर एफ्आईआर की मांग की जन सुरक्षा का सवाल,सियासत का सन्नाटा, जब जंगल शहर में घुस आए और सिस्टम जंगल बन जाए, भालू के पंजे, हाथी के पैर और प्रशासन की आंखों पर पट्टी,अगर आज नहीं जागे, तो कल देर हो जाएगी।

बहारों फूल बरसाओ...मेरा रेंजर आया है...कांग्रेस का अनोखा विरोध...

भालू के आतंक से नाराज़ यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाफिज मेमन,राजकुमार केशरवानी,सौरव मिश्रा,स्वप्निल सिन्हा सहित कार्यकर्ताओं ने अनोखे अंदाज़ में विरोध दर्ज कराया। उन्होंने रेंजर का हाथ जोड़कर स्वागत किया और गीत गाते हुए व्यंग्यात्मक प्रदर्शन किया। आरोप है कि रेंजर मुख्यालय में निवास नहीं करते...जबकि शहर लगातार संकट में है। लोगों की नाराज़गी के बीच रेंजर ने एक सप्ताह में भालू पकड़ने का आश्वासन दिया है।

माँ भालू ने अखबार वितरक को दौड़ाया

सोमवार सुबह लगभग 9 बजे मनेन्द्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 16 में एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ रिहायशी इलाके में दिखी। पूर्व पार्षद शिव नारायण यादव के घर के पास से इंजीनियर बसंत जायसवाल के आवास की ओर बढ़ते भालुओं ने सायकिल सवार अखबार वितरक पर हमला करने का प्रयास किया, जान बचाने के लिए वितरक को सायकिल छोड़कर भागना पड़ा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में भय का माहौल है, स्थानीय लोगों के अनुसार, यह भालू परिवार कई दिनों से कॉलोनियों में देखा जा रहा है, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

थाने में ज्ञापन,एफआईआर की मांग...

वार्ड 16 के सुरेश चौधरी ने लिखित शिकायत में बताया कि भालू ने उन पर हमला किया, शोर मचाने पर मोहल्लेवासियों ने बचाया। अल्का टोप्पो ने बताया कि उनके बच्चे पर भालू ने हमला किया, जिससे उसे चोट आई, कांग्रेस नेताओं के साथ ग्रामीणों ने थाने और वन विभाग कार्यालय के सामने नारेबाज़ी कर डीएफओ और रेंजर के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की।

हाथियों का आतंकः मकान,दो कारें और बाइक रौंदी

एमसीबी जिले के जनकपुर पार्क परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत च्यूल में एक नर हाथी ने रविवार रात उत्पात मचाया। एक मकान,एक ओमनी वाहन,दो चारपहिया वाहन और एक बाइक क्षतिग्रस्त हुई, ग्रामीणों का आरोप है कि समय पर मुनादी नहीं कराई गई, जिससे नुकसान बढ़ा।

क्या डीएफओ ने केवल पत्र लिखकर औपचारिकता निभा दी?

वनमंडल अधिकारी मनीष कश्यप ने 2 दिसंबर को पीसीसीएफ को पत्र लिखकर 'ऑपरेशन ट्रैंक्विलाइज' के तहत मादा भालू व शावकों को पकड़ने की अनुमति मांगी थी, करीब 15 दिन बीतने के बाद भी न अनुमति की स्थिति स्पष्ट है, न टीम की तैनाती, प्रश्न उठता है क्या एक पत्र लिखकर जिम्मेदारी पूरी मान ली गई?

राजनीतिक आरोप भी गरमाए...

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि पूर्व में निलंबन का हवाला देकर उनकी मांगों को अनसुना किया जा रहा है। यदि ऐसा नहीं है, तो जनङ्कसुरक्षा से जुड़े मामले में तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं? जिम्मेदारों ने चेताया है कि देरी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

वन विभाग की कार्रवाई...

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, हाथी को सुरक्षित क्षेत्र में खदेड़ने की कार्रवाई जारी है। ग्रामीणों को सतर्क रहने,दूरी बनाए रखने और सहयोग की अपील की गई है, मनेन्द्रगढ़ में भालू और हाथियों का बढ़ता खतरा अब सामान्य घटना नहीं रहा,तत्काल,समन्वित और ज़मीनी कार्रवाई के बिना हालात काबू में आना मुश्किल है, प्रशासन से अपेक्षा है कि अनुमति, संसाधन और टीम की तैनाती में देरी खत्म हो– क्योंकि एक चूक किसी की जान ले सकती है।

नए साल में शुरू होंगे दो ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन

-संवाददाता-

कोरबा,15 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

शहर में भी में बड़े शहरों की तर्ज पर नए साल में शहर के दो स्थानों पर इलेक्ट्रिक वाहनों में लगी बैटरी की चार्जिंग करने के लिए ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन की सुविधा मिलने लगेगी। नगर निगम द्वारा 45 लाख रुपए की लागत से शहर के स्मृति उद्यान व मल्टीलेवल पार्किंग के सामने ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन के लिए शेड बनाया गया है। जहां बिजली कनेक्शन का कार्य भी पूरा हो चुका था। वहीं अब चार्जिंग के लिए उपकरण भी पहुंच गए हैं। जिनके इंस्टॉलेशन के साथ ही शेड के साज-सज्जा की तैयारी चल रही है। सुविधा शुरू होने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की श्रेणी में आने वाले दोपहिया वाहनों के अलावा कार व ई-रिक्शा की घर के बाहर फटाफट चार्जिंग होने लगेगी जिससे वाहन मालिकों को चार्जिंग के लिए घर के भरोसे ही नहीं रहना

होगा। सबसे ज्यादा राहत ई-रिक्शा चालकों को होगी, जिन्हें अभी कुछ फेरा लगाने के बाद बैटरी चार्जिंग के लिए घर की दौड़ लगानी पड़ती है। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत ई-चार्जिंग सुविधा नगर निगम के कार्यपालन अभियंता सुरेश बरूआ ने बताया कि शहर में प्रदूषण कम करने और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत ई-चार्जिंग स्टेशन की सुविधा शुरू की जा रही है। उपकरण पहुंचने के बाद इंस्टॉलेशन का काम चल रहा है, नए साल में सुविधा शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

नितिन नबीन बने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष,जिले भर में उत्साह

-संवाददाता-

कोरिया,15 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी एवं बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर जिले भर के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में हर्ष और उत्साह का माहौल है, इस अवसर पर पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने नितिन नबीन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं और केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि नितिन नबीन ने प्रदेश सह-प्रभारी, लोकसभा चुनाव प्रभारी एवं प्रदेश प्रभारी के

रूप में अपने कार्यकाल के दौरान संगठनात्मक कौशल और रणनीतिक नेतृत्व का प्रभावी प्रदर्शन किया, उनके नेतृत्व में प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ और पार्टी को निरंतर चुनावी सफलता मिली। उन्होंने विश्वास जताया कि अब यही संगठनात्मक क्षमता राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती के साथ सामने आएगी, जिलाध्यक्ष तिवारी ने आगे कहा कि नितिन नबीन जमीन से जुड़े नेता हैं, जिनका कार्यकर्ताओं और आम जनता से जीवंत संपर्क रहा है, उनकी यही संगठनात्मक प्रतिबद्धता और कार्यशैली भाजपा को एक सशक्त राजनीतिक दल के रूप में आगे बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित करती रहेगी, उन्होंने कहा कि नितिन नबीन की इस नियुक्ति से छत्तीसगढ़ के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं, प्रदेश प्रभारी के रूप में उनके मार्गदर्शन में पार्टी की रीतिङ्कनीति, संगठनात्मक दायित्वों और गतिविधियों को कार्यकर्ताओं ने गंभीरता से समझा और आत्मसात किया है, नई जिम्मेदारी के साथ उनसे संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा और मजबूती मिलने की अपेक्षा जताई जा रही है।

CMYK

जब हीरो पर भारी पड़े विलेन,गब्बर सिंह से रहमान डकैत तक पर्दे पर छाए ये खलनायक किरदार

बॉलीवुड फिल्मों में ज्यादातर हीरो और विलेन ये दो किरदार सेंटर में होते हैं हालांकि दशकों से दर्शक मूवी में कितनी ही लड़ाई क्यों ना हो आखिर में हीरो को ही जीतते देखना चाहते हैं। लेकिन अब वक्त बदल चुका है क्योंकि थिएटर में अब विलेन की एंट्री पर तालियां बजने लगी हैं।

रहमान डकैत और अबरार जैसे विलेन लिस्ट में शामिल इन फिल्मों में हीरो से ज्यादा विलेन ने लूटी महफिल

भारतीय दर्शक फिल्मों के अंत में हमेशा एक विलेन को मरते या हारते हुए देखना चाहती है। सालों से यही फॉर्मूला हिट होता आया है लेकिन अब लगता है वक्त बदल रहा है। थिएटर्स में विलेन की एंट्री पर तालियां बज रही हैं, उसकी हिंसा दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है वहीं उसके डायलॉग मशहूर हो रहे हैं। इतना ही नहीं विलेन पर फिल्माए गए गाने सोशल मीडिया पर आग की तरह फैलते हैं।

हाल की बात करें तो धुरंधर में रहमान डकैत के रोल में नजर आने वाले अक्षय खन्ना भी सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। खासकर उन पर फिल्माया गया गाना और उनके द्वारा बोले गए डायलॉग इंटरनेट पर धूम मचा रहे हैं। इससे साबित होता है दर्शक एक आकर्षक कैरेक्टर और स्वैग वाले विलेन को पसंद कर रहे हैं भले ही उसका इरादा गलत हो। आज हम बॉलीवुड के ऐसे ही कुछ विलेन की बात करने जा रहे हैं जिन्होंने हीरो से ज्यादा लाइमलाइट बटोरी।

रहमान डकैत (अक्षय खन्ना,धुरंधर)

धुरंधर 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है जिसमें अक्षय खन्ना ने रहमान डकैत का पावरफुल किरदार निभाया है। इस फिल्म से अक्षय का डांस काफी वायरल हुआ और सोशल मीडिया पर इसने खूब चर्चा बटोरी। खास बात यह है कि इस डांस को अक्षय ने खुद कोरियोग्राफ किया और डायरेक्टर से इस पर थोड़ा सा डांस करने की इजाजत उसी मूमेंट पर मांगी। कुछ ही सेकंड का यह डांस सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया। फिल्म में रणवीर सिंह ने लीड रोल प्ले किया है और

अक्षय खन्ना ने रहमान डकैत का। अक्षय की बेहतरीन एक्टिंग और स्वैगी अवतार दर्शकों का दिल जीत रहा है।

अबरार हक (बॉबी देओल,एनिमल)

एनिमल में रणबीर कपूर ने लीड रोल प्ले किया था वहीं बॉबी देओल ने खतरनाक विलेन अबरार हक का। हालांकि फिल्म में बॉबी का एक भी डायलॉग नहीं हैं लेकिन उनकी पावरफुल एक्टिंग ने ही उनके किरदार में जान

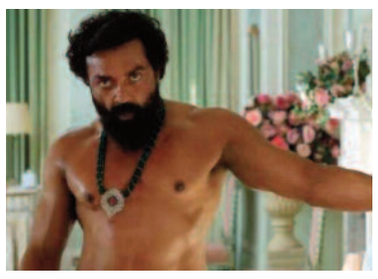

फूंक दी। फिल्म से बॉबी का जमाल कुडू डांस काफी वायरल हुआ था।

अलाउद्दीन खिलजी (रणवीर सिंह, पद्मावत)

रणवीर सिंह ने पद्मावत में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार प्ले किया था, फिल्म में उनकी पावरफुल एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीता था।

इस पीरियड ड्रामा में शाहिद कपूर ने लीड रोल प्ले किया था और दीपिका पादुकोण ने रानी पद्मावती का। फिल्म से रणवीर सिंह का खली बली गाना काफी वायरल हुआ था वहीं उनके खतरनाक लुक ने भी काफी चर्चा बटोरी थी। पद्मावत 2018 में रिलीज हुई थी।

राकेश महदकर (रितेश देशमुख, एक विलेन)

सिद्धार्थ मल्होत्रा, श्रद्धा कपूर और रितेश देशमुख स्टारर एक विलेन एक

साइकोलॉजिकल एक्शन थ्रिलर थी जिसमें रितेश ने राकेश नाम के एक साइको किलर का किरदार निभाया था। वह उन औरतों की जान लेता था जो अपनी बात मुखर तरीके से रखती थी। रितेश ने इस किरदार को इतने शानदार तरीके से निभाया था कि दर्शक उनके दीवाने हो गए। यह फिल्म 2014 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी।

राहुल मेहरा (शाहरुख खान,डर)

1993 की मशहूर फिल्म डर में शाहरुख खान

ने जुनूनी, हकलाने वाले स्टॉकर राहुल मेहरा का किरदार निभाया था, जो इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में किरण (जूही चावला) को परेशान करता है और उसके मंगेतर सुनील (सनी देओल) से टकराता है। राहुल का किरदार, जो क-क-किरण कैचफ्रेज से मशहूर हुआ, बहुत बड़ा हिट हुआ था। इस फिल्म में शाह रुख हीरो से ज्यादा लाइमलाइट लूट कर ले गए थे।

गब्बर सिंह (अमजद खान,शोले)

1975 में रिलीज हुई बॉलीवुड की कल्ट

क्लासिक शोले में भी कुछ ऐसा ही हुआ जिसमें हीरो के साथ-साथ विलेन बने अमजद खान को भी उतनी ही शोहरत मिली। उनके डायलॉग और उनकी स्क्रीन प्रेजेंस आज 50 साल बाद भी दर्शकों का दिल जीत रही है।

अटपटे लिरिक्स...फिर भी गाने सुपरहिट, एफए9एलए से लेकर कोलावेरी डी तक,किशोर कुमार का गीत भी शामिल

धुरंधर का का अक्षय खन्ना पर फिल्माया गया गाना एफ ए9एलए काफी सुर्खियां बटोर रहा है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब कोई अटपटे लिरिक्स वाला गाना हिट हुआ हो, इससे पहले भी भारतीय फिल्मों में ऐसे कई गाने हिट हो चुके हैं।

प्लेलिस्ट, रील्स और एल्गोरिदम के आने से पहले ही,भारतीय सिनेमा ऐसे गानों के बोल के साथ मज़े कर रहा था जिनका कोई सीधा मतलब नहीं था,लेकिन वे बहुत आकर्षक लगते थे। इसका ताज़ा उदाहरण धुरंधर का एफए9एलए गाना है, जिसने अपने स्वैग से भरे बीट्स और अजीब फ़्रेज़िंग से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। अक्षय खन्ना को एक बहुत ही इंटेंस अवतार में पेश करने वाला यह गाना साबित करता है कि गाने का मूड और वाइब, अक्सर मतलब से ज़्यादा मायने रखता है। चंचल बेमतलब की बातों से लेकर कल्चरल मैशअप तक, ये गाने दिखाते हैं कि कैसे लीक से हटकर बोल ने हमेशा भारतीय दर्शकों को रोमांचित किया है।

एफए9एलए(धुरंधर)

जब से 'एफए9एलए' इंटरनेट पर आया है, यह चारों तरफ छाया हुआ है। बहरीन से आया एफ ए9एलए गाने में आर्टिस्ट फिलिप पराची और डेफी एक साथ आए हैं और डीजे आऊटलॉ ने म्यूजिक संभाला है। यह गाना, धुरंधर से है जिसमें अक्षय खन्ना थे और इसमें हिप-हॉप बीट्स को पारंपरिक खलीजी अंदाज के साथ मिलाया गया है। कहा जाता है कि एफ ए9एलए शब्द का मतलब मजे का समय या पार्टी है, जो गाने के जोशीले और जश्न वाले माहौल से पूरी तरह मेल खाता है। यह गाना वायरल हो गया क्योंकि गाने का जबरदस्त, स्वैग से भरा माहौल अक्षय खन्ना के शांत लेकिन खतरनाक ऑन-स्क्रीन पर्सनैलिटी से पूरी तरह मेल खाता था। खास बात ये है कि इस गाने के लिए अक्षय ने खुद को कोरियोग्राफ किया था और शॉट के तुरंत पहले डायरेक्टर से हल्का फुल्का डांस करने की इजाजत मांगी थी।

जमाल कुडू (एनिमल)

यह गाना 2023 के आखिर में तुरंत हिट हो गया और इसने फिल्म में विलेन अबरार की एंट्री को दिखाया। यह गाना असल में 1950 के दशक के एक पुराने ईरानी लोकगीत जमाल जमालू का नया वर्जन है। इसे हर्षवर्धन रामेश्वर ने रीक्रिएट किया है। गाने में नजर आने वाले बॉबी देओल ने भी अपने बचपन की एक पर्सनल याद शेयर की। उन्होंने बताया कि जब वह गर्मियों और सर्दियों की छुट्टियों में पंजाब जाते थे, तो रात में लोग शराब पीते थे और जब म्यूजिक बजता था, तो वे सिर पर गिलास और बोतलें रखकर नाचते थे। इससे इंस्पायर होकर बॉबी ने खुद भी इसे आजमाने का फैसला किया, उन्हें नहीं पता था कि उनका यह अनोखा डांस स्टाइल इतना पॉपुलर हो जाएगा।

कोलावेरी डी (3)

2011 में रिलीज हुए इस गाने ने भारत में वायरल फेम को फिर से परिभाषित किया। इसे अनिरुद्ध रविचंदर ने फिल्म '3' के लिए सिर्फ 10 मिनट में कंपोज किया था। धनुष ने खुद इसे गाया था और इसे सूप सॉन्ग के तौर पर मार्केट किया गया था, जो प्यार में नाकाम लड़के के गाने के लिए एक स्लैंग है। यह अपने आसान, टूटे-फूटे टैंग्लिश (तमिल-अंग्रेजी) लिरिक्स की वजह से दुनिया भर में मशहूर हो गया। धनुष ने मजेदार अंदाज में गाते और लिखते हुए लगभग 20 मिनट में गाना पूरा किया। उन्होंने जो पहली लाइन गाई थी, वह थी, 'व्हाई दिस कोलावरी' यह यूट्यूब पर 100 मिलियन व्यूज पार करने वाला पहला भारतीय वीडियो था, जिसने साबित किया कि बनावटीपन से ज्यादा सादगी काम करती है।

मेरा नाम चिन चिन चू (हावड़ा ब्रिज)

इस 1958 के हिट गाने ने हेलेन को बॉलीवुड की बेताज कैबरे क्वीन के तौर पर पहचान दिलाई। यह गाना गीता दत्त ने गाया था, जिसमें एक आकर्षक और अनोखी धुन थी। हेलेन की जबरदस्त परफॉर्मेंस और गाने की तेज लय ने इसे मशहूर बना दिया। कमर जलालाबादी ने गाने के बोल लिखे और फिल्म के नॉयर कॉन्सेप्ट के हिसाब से कैरेक्टर को ईस्ट एशियन पहचान देने के लिए चिन चिन चू टाइटल चुना। अपनी अनोखी और जोशीली धुन की वजह से यह आज भी गोल्डन एरा के सबसे मशहूर गानों में से एक है।

ईना मीना डीका (आशा)

1957 का यह क्लासिक गाना भारत में लीक से हटकर लिरिक्स का जनक है। इस गाने में मशहूर किशोर कुमार ने गाया था और इसने भारतीय श्रोताओं को स्कैट सिंगिंग से परिचित कराया - यह एक जैज वोकल स्टाइल है जिसमें बिना शब्दों वाले सिलेबल का इस्तेमाल होता है। %ईना मीना डीका% के बोल पूरी तरह से बेमतलब हैं, जिन्हें लोकल दर्शकों को किसी विदेशी भाषा जैसा सुनाने के लिए बनाया गया था। यह अपनी हाई एनर्जी और %रॉक एंड रोल% वाइब के लिए मशहूर हुआ, जो 1957 में बॉलीवुड के लिए नया था। इसने किशोर दा की अपनी आवाज को एक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की तरह इस्तेमाल करने की प्रतिभा को दिखाया।

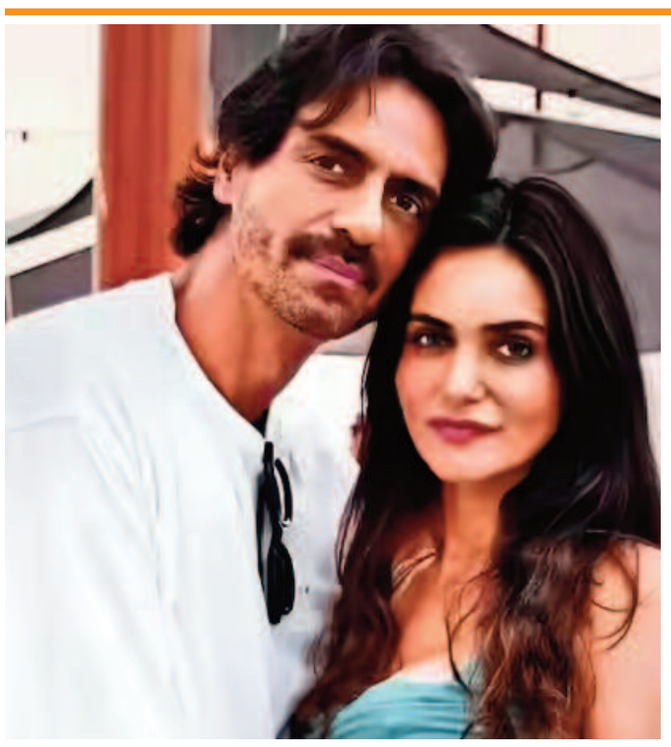

कौन है वो हसीना जिसके प्यार में गिरफ्त हैं अर्जुन रामपाल

6 साल की डेटिंग और दो बच्चे होने के बाद की सगाई, 53 की उम्र में दूसरी बार बनेंगे दूल्हे राजा?

अर्जुन रामपाल ने आखिरकार अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया है। अभिनेता इन दिनों धुरंधर की सफलता का जश्न मना रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कन्फर्म किया है कि वो अपनी लॉन्गटाइम पार्टनर गैब्रिएला डेमेट्रियड्स से सगाई कर चुके हैं। भले ही यह ऐलान बेहद कैजुअल अंदाज में हुआ हो, लेकिन इस खबर ने तुरंत सुर्खियां बटोर लीं और गैब्रिएला एक बार फिर चर्चा में आ गईं। ऐसे में लोग जानना चाहते हैं कि 53 साल के एक्टर ने अपने पार्टनर के रूप में किसे चुना। गौर करने वाली बात ये है कि 6 साल की डेटिंग और दो बच्चे होने के बाद अर्जुन रामपाल ने सगाई का फैसला किया। अर्जुन ने यह खुशखबरी रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में अपनी मौजूदगी के दौरान साझा की। पॉडकास्ट के एक टीजर में गैब्रिएला ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर हल्का-सा इशारा किया था, जिसके बाद अर्जुन ने साफ कर दिया कि वे दोनों सगाई कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि कपल ने जानबूझकर इसी प्लेटफॉर्म पर यह बात सामने लाने का फैसला किया। अर्जुन और गैब्रिएला पिछले करीब छह साल से एक-दूसरे के साथ हैं और उनके दो बेटे हैं। उनका बड़ा बेटा आरिक अप्रैल 2019 में पैदा हुआ था, जबकि छोटे बेटे आरिव का जन्म 2023 में हुआ। पब्लिक फिगर होने के बावजूद, दोनों ने अपनी फैमिली लाइफ को काफी हद तक निजी रखा है। कभी-कभार सोशल मीडिया पर झलक जरूर दिखती है, लेकिन वे लाइमलाइट से दूरी बनाए रखना पसंद करते हैं।

खेल समाचार

शेफाली वर्मा विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ बनीं

वर्ल्ड कप फाइनल में 87 रन बनाए थे; मेंस में साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर को अवॉर्ड

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। भारत को पहला विमेंस वर्ल्ड कप दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली शेफाली वर्मा को आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 78 गेंदों पर 87 रन की शानदार पारी खेली थी। यह विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में किसी भी भारतीय ओपनर का सबसे बड़ा

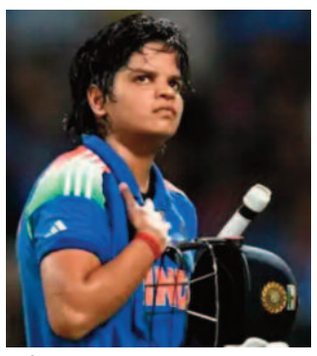

स्कोर रहा।

बल्लेबाजी के साथ-साथ शेफाली ने गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 2 विकेट हासिल किए थे। उनकी इस ऑलराउंड परफॉर्मेंस की बदौलत भारत ने 7 विकेट पर 298 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया और फिर 52 रन से मैच जीतकर विमेंस वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया।

वहीं पुरुष वर्ग में यह सम्मान साउथ अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर साइमन हार्मर को मिला। हार्मर ने भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई टेस्ट सीरीज में शानदार गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 17 विकेट झटके थे।

प्रतिका रावल की जगह टीम में आई थी...

शेफाली पहले वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थी। उन्हें ओपनर प्रतिका रावल के बांग्लादेश के खिलाफ फील्डिंग करते समय चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किया गया। 21 साल की शेफाली ने फाइनल में स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 104 रन की अहम साझेदारी की और भारत की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। शेफाली ने इस अवॉर्ड की रेस में थाईलैंड की थिपाचा पुटथावोंग और यूएई की ईशा ओझा को पीछे छोड़ा।

साइमन हार्मर मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

पुरुष वर्ग में साउथ अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार्मर ने 17 विकेट झटके,उनका औसत 8.94 रहा। उनकी गेंदबाजी के दम पर साउथ अफ्रीका ने भारत में 25 साल बाद टेस्ट सीरीज जीतते हुए 2-0 से क्लीन स्वीप किया।

अंत शानदार रहा:शेफाली

अवॉर्ड मिलने के बाद शेफाली ने कहा कि उनका पहला वर्ल्ड कप अनुभव उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन अंत उससे कहीं बेहतर रहा जिसकी उन्होंने कल्पना की थी। उन्होंने इस सम्मान को टीम, कोच, परिवार और अपने सभी सपोर्टर्स को समर्पित किया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी 2 मुकाबलों से अक्षर पटेल बाहर

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल बीमारी की वजह से साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के शेष 2 मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। हालांकि, अक्षर लखनऊ में टीम के साथ हैं, जहां उनका मेडिकल चेकअप किया जाएगा। पुरुष चयन समिति ने लखनऊ और अहमदाबाद में होने वाले टी20 मुकाबलों के लिए शाहबाज अहमद को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ कटक में खेले गए सीरीज के पहले मैच को 101 रन से अपने नाम किया था। इस मुकाबले में मेजबान टीम ने 6 विकेट खोकर 175 रन बनाने के बाद मेहमान टीम को 12.3 ओवरों में 74 रन पर समेट दिया। अगले मुकाबले में साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 213 रन बनाए, लेकिन टीम इंडिया 19.1 ओवरों में महज 162 रन पर सिमट गई। इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने 51 रन से मुकाबला अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली।

धर्मशाला में सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला गया, जिसमें भारत ने 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली। साउथ अफ्रीकी टीम को 117 रन पर समेटने के बाद भारत ने 15.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवाने के बाद टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की। अब भारत की निगाहें टी20 सीरीज पर हैं। भारत-साउथ अफ्रीका के बीच सीरीज का चौथा मुकाबला लखनऊ में 17 दिसंबर को खेला जाएगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में सीरीज का अंतिम मैच आयोजित होगा।

मनु भाकरऔर सिमरनप्रीत कौर बरार ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में जीते गोल्ड

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। डबल ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 की गोल्ड मेडलिस्ट सिमरनप्रीत कौर बरार ने सोमवार को नई दिल्ली के पास तुगलकाबाद में डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं में सीनियर और जूनियर महिला 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीते। मनु भाकर ने फाइनल में

36 का स्कोर करके गोल्ड पक्का किया, वह कर्नाटक की दिव्या टी.एस. से चार हिट आगे रहीं, जिन्होंने 32 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता। अंजलि चौधरी ने 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। रिदम सांगवान 22 हिट के साथ चौथे स्थान पर रहीं, उसके बाद अर्शदीप कौर 18, अन्नू राज सिंह 14 और अनुजा वर्मा 11 हिट के साथ क्रमशः पांचवें, छठे और सातवें स्थान पर रहीं। परीशा गुप्ता ने फाइनल में हिस्सा नहीं लिया।

अभिनव बिंद्राने मेसी के इंडिया टूर के मैनेजमेंट पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2025। ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने लियोनेल मेसी के गोट इंडिया टूर के मैनेजमेंट को लेकर अपनी बेचैनी ज़ाहिर की। कोहरे की वजह से मेसी के नई दिल्ली पहुंचने में देरी हुई, और वह सीधे लीला पैलेस होटल गए, जहां उन्होंने एक घंटे तक मीट-एंड-ग्रीट सेशन में हिस्सा लिया। बिंद्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी हल्की उदासी ज़ाहिर करते हुए, नज़दीकी के कुछ पलों और तस्वीरों पर खर्च किए गए लाखों डॉलर्स की आलोचना की, और सुझाव दिया कि इन पैसों का इस्तेमाल भारत में खेलों को बढ़ावा देने के लिए ज़मीनी स्तर की पहलों के लिए बेहतर तरीके से किया जा सकता था।

80 वां वेस्टर्न इंडिया स्क्वैश टूर्नामेंट बुधवार से शुरू होगा

मुंबई ,15 दिसम्बर 2025। क्रिकेट क्लब ऑफ़ इंडिया ने सोमवार को 80वें सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वैश टूर्नामेंट की तारीखों की घोषणा की, जो भारत की सबसे पुरानी और सबसे लंबे समय तक चलने वाली स्क्वैश प्रतियोगिता है, जिसकी शुरुआत 1943 में हुई थी। यह टूर्नामेंट 17 से 21 दिसंबर, 2025 तक मुंबई में सीसीआई के मशहूर ग्लास-बैक कोर्ट में खेला जाएगा। स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया और महाराष्ट्र स्क्वैश रैकेट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित, इस साल का एडिशन सीसीआई स्क्वैश चैंपियंस का घर बैनर के तहत चैंपियंस को बढ़ावा देने की क्लब की गौरवशाली विरासत को जारी रखता है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बेरोजगारी भत्ता और रोजगार के मुद्दे पर सदन का माहौल गरमाया

प्रदेश में 15 लाख बेरोजगार,14 हजार लोगों को जल्द देंगे रोजगार : रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

भूपेश बोले...युवाओं को भत्ता न देना धोखा...धरमलाल ने भी घेरा

रायपुर,15 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बेरोजगारी भत्ता और रोजगार के मुद्दे पर सदन का माहौल गरमा गया। सदन में भूपेश बघेल ने बेरोजगारी और युवाओं को भत्ते के मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा। मंत्री के स्पष्ट जवाब न देने पर नाराज विपक्ष ने हंगामा कर दिया। सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी नोक-झोंक हुई। भूपेश बघेल ने भी सरकार को घेरा। भूपेश बघेल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विधानसभा में मिले जवाब के अनुसार बेरोजगारी भत्ता योजना बंद नहीं हुई है, फिर लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में प्रावधान होने के बावजूद युवाओं को भत्ता नहीं देना उनके साथ धोखा है। वहीं प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल ने प्रदेश में पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या को लेकर सरकार से सवाल किया। इस पर जवाब में रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 की स्थिति में राज्य में 11 लाख 39 हजार 656 बेरोजगार पंजीकृत हैं। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने बताया कि वर्तमान में यह संख्या बढ़कर करीब 15 लाख के आसपास पहुंच गई है। जल्द ही एक साथ 14 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार बेरोजगारों को भत्ता देने के बजाय उन्हें रोजगार से जोड़ने पर फोकस कर रही है।

सदन में नारेबाजी कर विपक्ष का वॉकआउट...

सदन में कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने बेरोजगारी भत्ता नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाया। साथ ही पूछा कि युवाओं को योजना का लाभ कब मिलेगा। इस पर मंत्री खुशवंत ने कहा कि सरकार युवाओं को सक्षम और सामर्थ्य वान बनाने की दिशा में काम कर रही है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन में नारेबाजी की और वॉकआउट कर दिया। इसके अलावा स्कूल-कॉलेजों में लगे सैनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंसीनरेटर का मुद्दा उठा। भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने कई मशीनों के खराब/बंद होने और करोड़ों खर्च के बावजूद छात्राओं का इसका लाभ नहीं मिलने का आरोप लगाकर जांच की मांग की।

धान खरीदी में अव्यवस्था पर हंगामा,भूपेश ने सरकार को घेरा...

विधानसभा में धान खरीदी में अव्यवस्था को लेकर विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव लाया। भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार धान खरीदने के पक्ष में नहीं है और जानबूझकर व्यवस्था कमजोर कर निजी हाथों में सौंपने का षडयंत्र रच रही है। उन्होंने बताया कि समिति प्रबंधक, कर्मचारी और कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल पर हैं, पंजीयन में गंभीर खामियां हैं, वन अधिकार पट्टाधारी किसानों का पंजीयन नहीं हुआ और ऑनलाइन टोकन व्यवस्था पूरी तरह फेल है, जिससे कई किसानों को चॉइस सेंटरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

मोबाइल नेटवर्क समस्या पर हंगामा....

विधायक रेणुका सिंह ने सदन में टॉवरों को लेकर गलत और अधूरी जानकारी देने पर विभागीय अधिकारियों को घेरा। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में अब भी नेटवर्क की गंभीर समस्या बनी हुई है, लेकिन कागजों में टॉवर चालू दिखाए जा रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस विषय में भारत सरकार को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि जिन क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या है, वहां जल्द मोबाइल टॉवर लगाए जाएंगे।

अटल नगर को देश का पहला ऋण मुक्त ग्रीनफील्ड शहर

वित्त मंत्री चौधरी बोले दो साल में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल कर्जमुक्त हुआ,हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

रायपुर,15 दिसम्बर 2025। प्रदेश के आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ संवाद ऑडिटोरियम में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में आवास एवं पर्यावरण विभाग ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। किफायती आवास, बेहतर रहवासी सुविधाएं, आजीविका के अवसर और पर्यावरण अनुकूल ईज ऑफ लिविंग पर फोकस करते हुए ऐसे फैसले लिए गए, जिनसे आम नागरिकों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है और राज्य के दीर्घकालीन विकास की मजबूत नींव पड़ी है। मंत्री चौधरी ने बताया कि दो साल पहले छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल 735 करोड़ रुपए के कर्ज में डूबा हुआ था और 3200 से अधिक आवासीय व व्यवसायिक संपत्तियां वर्षों से बिकी नहीं थीं। राज्य सरकार ने कर्ज की पूरी राशि चुकाकर मंडल को ऋण मुक्त किया। इसके बाद ओटीएस-2 योजना लागू की गई, जिसके तहत संपत्तियों पर 30 प्रतिशत तक की छूट दी गई। इस योजना के चलते महज 9 महीनों में 1251 संपत्तियों का विक्रय हुआ और करीब 190 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया गया। भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए मांग आधारित निर्माण नीति लागू की गई है।

अटल नगर में बना रिकॉर्ड

मंत्री ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर देश का पहला ऋण मुक्त ग्रीनफील्ड शहर बन गया है। यहां 1,345 करोड़ रुपए का पूरा कर्ज चुकाने के बाद 5,030 करोड़ मूल्य की जमीन और संपत्तियां गिरवी मुक्त हुई हैं। इससे निवेश और नई परियोजनाओं का रास्ता खुला है। अटल नगर में 132 एकड़ में टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है, जबकि सेमीकंडक्टर और आईटी सेक्टर में 1,800 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावित हैं, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

कोयला घोटाला...जयचंद के खिलाफ 1000 पन्नों की चार्जशीट पेश

चौरसिया को 8 करोड़ पहुंचाने का आरोप, व्हाट्सऐप पर मिले 'जय' नाम से कई लेन-देन

रायपुर,15 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ कोयला घोटाले में ईओडब्ल्यू ने आरोपी जयचंद कोशले के खिलाफ सोमवार को विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रायपुर में करीब 1000 पेज का अभियोग पत्र पेश किया है। जयचंद कोशले इस समय केन्द्रीय जेल रायपुर में बंद है। जयचंद पर 7-8 करोड़ रुपए की अवैध कोल लेवी सौम्या चौरसिया तक पहुंचाने का आरोप है। डायरी और वॉट्सऐप चैट्स में 'जय' नाम की एंट्रियों से लेन-देन की पुष्टि हुई है। आरोपी ने अवैध रकम से खुद और परिवार के नाम पर संपत्तियां खरीदीं हैं, इसकी जांच जारी है। बता दें कि अवैध कोल लेवी केस में अब तक कुल 20 आरोपियों पर चालान, आगे और नाम जुड़ने के संकेत हैं।

ईओडब्ल्यू के अनुसार, इस प्रकरण में पहले जुलाई 2024 में 15 आरोपियों, अक्टूबर 2024 में 2 आरोपियों, अक्टूबर 2025 में 2 आरोपियों और अब जयचंद कोशले को मिलाकर कुल 20 आरोपियों के खिलाफ चालान प्रस्तुत किया जा चुका है। पहले चालान में सौम्या चौरसिया, रानू साहू, समीर विश्नोई, सूर्यकांत तिवारी, निखिल चंद्राकर सहित कई नाम शामिल थे।

डायरी और डिजिटल सबूतों से खुलासा : जांच के दौरान जब्त डायरी में 'जय' नाम से दर्ज सभी प्रविष्टियां जयचंद कोशले और सौम्या चौरसिया से जुड़ी पाई गई हैं। डायरी में दर्ज एंट्रियां अवैध लेन-देन की पुष्टि करती हैं। इसके अलावा सूर्यकांत तिवारी और अन्य आरोपियों के मोबाइल से वॉट्सऐप ग्रुप की रियल-टाइम एंट्रियां, डिजिटल चैट्स और हिसाब-किताब भी बरामद किए गए हैं। जिनमें 'जय' के नाम से रकम की जानकारी दर्ज है।

सौम्या चौरसिया का करीबी, सीएम सचिवालय में था निज सहायक

ईओडब्ल्यू के मुताबिक, आरोपी जयचंद कोशले उर्फ जय, तत्कालीन मुख्यमंत्री सचिवालय में सौम्या चौरसिया का निज सहायक था। जांच में सामने आया है कि वह अवैध कोल लेवी से वसूली गई भारी नगद राशि का वास्तविक रिसीवर और मध्यस्थ था।

7 से 8 करोड़ की वसूली,संपत्तियों में निवेश...

ईओडब्ल्यू का दावा है कि जयचंद कोशले ने सूर्यकांत तिवारी के निवास और अन्य स्थानों से सौम्या चौरसिया के निर्देश पर करीब 7 से 8 करोड़ रुपए की अवैध कोल लेवी की रकम प्राप्त की। इस रकम का एक हिस्सा उसने अपने और परिवार के नाम पर संपत्तियां खरीदने में निवेश किया है। इन संपत्तियों की जांच अभी जारी है।

टुटेजा-सौम्या चैट्स से भी कड़ी जुड़ी

जांच में अनिल टुटेजा और सौम्या चौरसिया के बीच मिले चैट्स से यह भी सामने आया है कि जयचंद कोशले गोपनीय फाइलें और दस्तावेज सौम्या के निर्देश पर अनिल टुटेजा तक पहुंचाता था।

नक्सल ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट,दो जवान घायल

बीजापुर,15 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों के सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट की घटना में दो जवान घायल हो गए। घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, 14 दिसंबर को फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के पिल्लूर-कांडलापरती इलाके में डीआरजी,एसटीएफ और कोबरा बल की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। इसी दौरान रास्ते में पहले से लगाए गए आईईडी में विस्फोट हुआ। विस्फोट की चपेट में आने से कोबरा बल के दो जवान घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद मौजूद अन्य जवानों ने घायल साथियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और प्राथमिक उपचार किया। दोनों घायल जवानों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

सक्ती में युवती से गैंगरेप,दो महिला समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

सक्ती,15 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में युवती को कान की बाली, नए कपड़े और नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसके साथ गैंगरेप किया। युवती के साथ गैंगरेप में दो महिला आरोपी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपराध को अंजाम देने में सहयोग किया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर गैंगरेप के दो आरोपियों और अपराध में मदद करने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सभी को न्यायिक रिमांड में भेजा गया है। यह मामला मालखरौदा थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता (20 वर्ष) के माता-पिता हैदराबाद में मजदूरी करते हैं। वह गांव में अपने बुजुर्ग दादा-दादी के साथ रहती है। 31 अक्टूबर 2025 की शाम करीब 5 बजे पीड़िता अपने गांव के बड़े तालाब के पास घूमने गई थी। उसी समय आरोपी झनकेश्वर चंद्रा एक महिला लक्ष्मी महंत उर्फ मुस्कान के साथ बाइक से वहां पहुंचा।

छत्तीसगढ़ के कॉलेज-यूनिवर्सिटी में आवारा कुत्तों की निगरानी करेंगे प्रोफेसर

कैंपस में खाद्य-सामग्री पर भी नजर रखेंगे,स्कूल के बाद अब उच्च शिक्षा-विभाग का आदेश

दुर्ग-भिलाई,15 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में स्कूल कैंपस के बाद अब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी आवारा कुत्तों की निगरानी को लेकर सख्ती शुरू कर दी गई है।

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों के साथ राजकीय और निजी विश्वविद्यालयों के लिए गाइडलाइन जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार,अब कॉलेज और यूनिवर्सिटी कैंपस में आवारा कुत्तों के नियंत्रण, निगरानी और उनसे होने वाली संभावित घटनाओं की रोकथाम की जिम्मेदारी सीधे तौर पर संबंधित संस्थानों की होगी। इसके लिए प्रोफेसरों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

नोडल अफसर को भेजना होगा डिस्प्ले बोर्ड की फोटो : नोडल अधिकारी का नाम, मोबाइल नंबर और हेल्पलाइन की जानकारी डिस्प्ले बोर्ड पर लगाना भी जरूरी किया गया है।

उच्च शिक्षा विभाग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि संस्थान परिसर में लगाए गए डिस्प्ले बोर्ड की फोटो नोडल अधिकारी की ओर से उच्च शिक्षा संचालनालय को वॉट्सऐप के माध्यम से भेजी जाएगी।

इसके लिए विभाग ने मोबाइल नंबर भी जारी किया है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी संस्थानों में आदेश का पालन वास्तव में किया जा रहा है या नहीं। कॉलेज-विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर इस बात का भी ध्यान रखेंगे कि कहीं परिसर में ऐसी कोई खाद्य सामग्री तो खुले में नहीं पड़ी है, जिससे आवारा पशु आकर्षित होते हैं।

नोडल अधिकारी होंगे जिम्मेदार...

आदेश के अनुसार, हर कॉलेज और विश्वविद्यालय में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति अनिवार्य होगी। नोडल अधिकारी प्राध्यापक या सहायक प्राध्यापक को बनाया जाएगा। यह नोडल अधिकारी स्थानीय प्रशासन, नगर निगम, नगर पालिका या परिषद से लगातार संपर्क और समन्वय बनाए रखेंगे। परिसर में अगर आवारा कुत्ते या अन्य पशु दिखाई देते हैं तो उन्हें हटाने के लिए तुरंत संबंधित विभाग से संपर्क करना होगा। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश स्तर पर डॉ. टी जलजा नायर को नोडल नियुक्त किया है। प्रदेश के सभी कॉलेज और विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी इन्हें ही रिपोर्ट करेंगे।

आईपीएस प्रभात कुमार बने महासमुंद एसपी

पुलिस मुख्यालय में एसआईबी पद पर दे रहे थे अपनी सेवाएं,2019 बैच के हैं अफसर

रायपुर,15 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में आईपीएस प्रभात कुमार को महासमुंद पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। प्रभात कुमार वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में एसआईबी में पुलिस अधीक्षक के तौर पर सेवाएं दे रहे थे। प्रभात 2019 बैच के आईपीएस ऑफिसर है। यह आदेश गृह विभाग के सचिव ने जारी किया है।

नारायणपुर जिले के एसपी भी रह चुके है प्रभात कुमार : प्रभात कुमार ने 2019 को आईपीएस की सर्विस ज्वाइन की। सरदार वल्लभभाई पटेल प्रशिक्षण अकादमी हैदराबाद से ट्रेनिंग खत्म करने के बाद प्रशिक्षु आईपीएस के तौर पर फील्ड ट्रेनिंग के लिए उनकी पोस्टिंग रायगढ़ जिले में हुई। रायगढ़ में वे कोतरारोड़ थाना प्रभारी रहे। रायगढ़ के बाद दुर्ग जिले में सीएसपी छावनी के पद पर पदस्थ रहे। दुर्ग के बाद एडिशनल एसपी सुकमा रहे। प्रभात कुमार नारायणपुर जिले के एसपी भी रह चुके हैं।

मुख्यमंत्री से कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स प्रतिनिधियों की सौजन्य मुलाकात,स्वदेशी संकल्प यात्रा में शामिल होने का दिया आमंत्रण

रायपुर,15 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स के प्रतिनिधियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स एवं स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में देशभर में संचालित स्वदेशी संकल्प यात्रा के अंतर्गत 20 दिसंबर को दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया और स्वदेशी विचारधारा को मजबूती देने वाले ऐसे आयोजनों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि स्वदेशी संकल्प यात्रा दुर्ग शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नगर भ्रमण करेगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सशक्त स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल, स्थानीय व्यापार को सशक्त बनाना। तथा स्वदेशी उद्यमिता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है।

नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन का 11 सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन जारी...29 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

रायपुर,15 दिसम्बर 2025। नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ का 11 सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन लगातार जारी है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रीना राजपूत ने बताया कि संघ की मांगें पिछले 10 वर्षों से लंबित हैं। विभागीय मंत्री द्वारा 4 जुलाई 2024 को आश्वस्त किया गया था कि 6 माह के भीतर कैबिनेट में मुख्य मांगों को रखकर निर्णय लिया जाएगा, लेकिन 1 वर्ष 5 माह बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने से संघ सदस्यों में नाराजगी है। इसलिए चरणबद्ध आंदोलन जारी है। डॉ. रीना राजपूत ने कहा कि आंदोलन के तहत आज अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया गया। प्रथम चरण में 11 दिसंबर को ज्ञापन सौंपा गया था। द्वितीय चरण में 12, 13 और 14 दिसंबर 2025 को नर्सिंग कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया। तृतीय चरण के अंतर्गत 15, 16 और 17 दिसंबर को अस्पताल परिसर में सुबह 11 से 12 बजे तक एक घंटे का विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। वहीं चतुर्थ चरण में 29, 30 और 31 दिसंबर को अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया गया है।

एसोसिएशन की मुख्य मांग : स्टाफ नर्स का ग्रेड पे 4800, नर्सिंग सिस्टर का ग्रेड पे 5400, सहाय नर्सिंग अधीक्षक का ग्रेड पे 6600, उपनर्सिंग अधीक्षक का ग्रेड पे 7600 1 नर्सिंग अधीक्षक का ग्रेड पे 8600 किया जाए अथवा शासन द्वारा गठित 20 की कमेटी की अनुशंसाओं के आंशिक संशोधन कर लागू किया जाए। सभी चिकित्सा महाविद्यालयों से सम्बद्ध चिकित्सालयों में स्टाफ नर्सेस बहुत से नियमित पद रिक्त है। रिक्त नियमित पदों पर पूर्व से कार्य संविदा एवं कलेक्टर दर पर कार्यरत् स्टाफ नर्सेस को रखा जाए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)